RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 90 ● भिलाई, गुरुवार 09 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

एयर इंडिया की फ्लाइट से टकराया पक्षी, 158 यात्रियों की जान आई आफत में वापसी उड़ान रद्द

चेन्नई । एअर इंडिया की कोलंबो से चेन्नई आ रही फ्लाइट में आज एक बड़ा हादसा टल गया।विमान के उतरते समय बर्ड हिट (पक्षी के टकराने) की घटना हुई, जिसके बाद एयरलाइन को अपनी वापसी की उड़ान रद्द करनी पड़ी। घटना के समय विमान में 158 यात्री सवार थे। हवाई अड्डा प्राधिकरण के अनुसार, विमान ने चेन्नई हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग की और सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान से पक्षी के टकराने का पता लैंडिंग के बाद निरीक्षण के दौरान चला। इस घटना के तुरंत बाद विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया और एअर इंडिया के इंजीनियरों की टीम ने उसकी विस्तृत जांच शुरू कर दी। यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एयरलाइन ने चेन्नई से कोलंबो जाने वाली वापसी की उड़ान को रद्द करने का फैसला किया।

भारत में कानून है, दादागिरी और गुंडाराज स्वीकार नहीं : रिजिजू

दार्जिलिंग। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में भूस्खलन प्रभावित मिरिक का दौरा किया और स्थिति और चल रहे राहत कार्यों का जायजा लिया। केंद्रीय मंत्री के साथ दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिष्ट और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी थे। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भाजपा सांसद और विधायक पर हुए हमले की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम विरला ने पहले ही राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर भारत में कानून है। तो दादागिरी और गुंडाराज स्वीकार नहीं किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय मंत्री का उत्तरी बंगाल का दौरा, जहां मूसलाधार बारिश के बाद हुए भूस्खलन में कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई थी, संकट की इस घड़ी में उस क्षेत्र के लोगों की सहायता के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद, केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा, स्थिति गंभीर है।

कफ सिरप कांड

तीन और मासूमों की मौत,एमपी में अब तक 20 बच्चों की मौत

■ अब कोल्ड्रिफ बनाने वाली कंपनी के ऑनर को गिरफ्तार किया जाएगा

छिंदवाड़ा/ एजेंसी

मध्य प्रदेश में कफ सिरप की वजह से बच्चों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते 24 घंटों में तीन और मासूमों ने दम तोड़ दिया। अब मरने वालों की संख्या 20 पर पहुंच गई है। छिंदवाड़ा में 17, पांढुर्ना में एक और बैतूल में दो बच्चों की मौत हो चुकी है। पांच बच्चे अब भी नागपुर में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं। अब कोल्ड्रिफ बनाने वाली कंपनी के ऑनर को गिरफ्तार किया जाएगा। उसे पकड़ने के लिए दो टीम चेन्नई और काछीपुरम पहुंच चुकी हैं। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में छिंदवाड़ा, पांढुर्ना और बैतूल को मिलाकर अब तक 20 बच्चों की जान जा चुकी है। सरकार बहुत सख्त है। आरोपी कंपनी, कोल्ड्रिफ बनाने वाली कंपनी के ऑनर को गिरफ्तार करने के लिए छिंदवाड़ा पुलिस की टीम चेन्नई और काछीपुरम पहुंच चुकी है। आईएनएस के हड़ताल पर जाने पर शुक्ल ने कहा कि वो हड़ताल पर न जाएं, अपना काम करें। चार साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरफ न देने की जो भारत सरकार, आईसीएमआरसी की एडवायजरी है, उसका पालन करने का निवेदन किया है। शुक्ल ने कहा कि मैं कल नागपुर में गया

था। वहां पांच बच्चे भर्ती हैं। वहां परिजनों से मिला और बच्चों की देखा। सभी लोग बच्चों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। बता दें कि नागपुर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज के दौरान तामिया की धानी डेहरिया (डेढ़ वर्ष), जुन्नारदेव के ज्यांशु यदुवंशी (2 वर्ष) और रीधोरा के वेदांश पवार (ढाई वर्ष) ने दम तोड़ दिया है। इन मौतों के बाद छिंदवाड़ा जिले में मृतकों की कुल संख्या 17 तक पहुंच गई है। पांढुर्ना में भी एक जान पहले जा चकी है। बैतूल में भी दो बच्चों की मौत हुई है। अब भी पांच बच्चे नागपुर के अस्पतालों में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। जांच में सामने आया है कि कुछ निजी चिकित्सकों, जिनमें डॉ. प्रवीण सोनी का नाम प्रमुख है, ने बच्चों को 'कोल्ड्रिफ सिरप' दी थी। सिरप पीने के कुछ घंटों बाद ही बच्चों की किडनी प्रभावित होने लगी और हालत लगातार बिगड़ती चली गई। मेडिकल जांच में इस सिरप में जहरीले रासायनिक तत्वों की मौजूदगी की पुष्टि हुई है, जो शरीर में पहुंचकर किडनी को नुकसान पहुंचा रहा था। इसी कारण कई बच्चों की मौत किडनी फेल होने से हुई। जैसे-जैसे मौतों की संख्या बढ़ी, छिंदवाड़ा जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी। अपर कलेक्टर धीरेंद्र सिंह ने अब तक 16 मौतों की आधिकारिक पुष्टि की थी।

मासूमों की मौत से सन्नाटा,घरों में मातम

छिंदवाड़ा जिले के कई गांवों में शोक और भय का माहौल है। जहां कभी बच्चों की हंसी गूंजती थी, वहां अब सन्नाटा और आंखों में आंसू हैं। नागपुर में भर्ती बच्चों के परिजन अस्पतालों में दिन-रात डटे हुए हैं। प्रशासन ने घटना की उच्चस्तरीय जांच के लिए विशेष समिति गठित कर दी है। समिति यह पता लगाएगी कि जहरीली सिरप बाजार में कैसे पहुंची, किस स्तर पर लापरवाही हुई और दोषी कौन है। औषधि निरीक्षक दलों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे जिले के सभी मेडिकल स्टोरों की दवा जांच रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करें।

महागठबंधन में फूट,लालू चिंतित

बिहार में नीतीश ही होंगे एनडीए के सीएम चेहरा-गिरिराज सिंह..

नई दिल्ली/ एजेंसी

वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार एनडीए के सीएम चेहरा हैं। केंद्रीय मंत्री ने बिहार विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे को लेकर एनडीए सहयोगियों के बीच किसी भी मतभेद से इनकार किया और कहा कि बातचीत चल रही है और जल्द ही अंतिम फॉर्मूला तय कर लिया जाएगा। सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में नीतीश कुमार एनडीए के मुख्यमंत्री पद के चेहरे हैं। एनडीए के भीतर सब कुछ ठीक है। विधानसभा चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे की व्यवस्था चल रही है और जल्द ही अंतिम फॉर्मूला तय हो जाएगा... और आप लोगों को इसके बारे में पता चल जाएगा। हालाँकि, गिरिराज सिंह ने इंडिया ब्लॉक पर कटाक्ष किया और दावा किया कि महागठबंधन एक विभाजित घराना है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि तेजस्वी यादव महागठबंधन के नहीं, बल्कि राजद के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। अब, कांग्रेस नेतृत्व के बयान के बाद राजद सुप्रीमो लालू यादव चिंतित और भयभीत हैं... महागठबंधन का नेतृत्व अभी तय नहीं हुआ है। मैं यह ज़रूर कहूँगा कि एनडीए की नीति, नेतृत्व और नीयत पूरी तरह से तय है और किसी भी तरह की नाराज़गी नहीं है। वहीं, गिरिराज सिंह ने तेजस्वी यादव की 'अधिकार यात्रा' को राहुल गांधी द्वारा उनकी राजनीतिक चमक लूटने के बाद की 'लाचारी' बताया था।

केन्द्र कर रहा है डीवीसी के ड्रेजिंग के लिए नीति तैयार

कोलकाता। बंगाल में आने वाले बाढ़ को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल हमेशा ही दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) को जिम्मेदार बताया है। ऐसे में आज पार्टी नेता के निर्देश पर, मंत्री मलय घाटकेरा मैथन स्थित डीवीसी मुख्यालय गए और एक प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपा। मलय के नेतृत्व में तृणमूल नेतृत्व ने डीवीसी अधिकारियों के साथ एक बैठक भी की। वहां से निकलने के बाद, राज्य के कानून और न्याय मंत्री मलय ने घोषणा की, उन्होंने स्वीकार किया है कि डीवीसी ने ड्रेजिंग नहीं की। उन्होंने आगे दावा किया कि अब से, अगर डीवीसी द्वारा छोड़े गए पानी में किसी की मौत होती है, तो संबंधित केंद्रीय एजेंसी को मुआवजा देना होगा।

दो दिन बाद शुरू हो जाएगा नॉमिनेशन

बिहार में कांग्रेस ने फाइनल कर ली 25 कैंडिडेट की पहली लिस्ट

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेतृत्व वाले विपक्षी महागठबंधन में सीट बंटवारा होने से पहले कांग्रेस ने 25 कैंडिडेट की लिस्ट फाइनल कर ली है। बुधवार को कांग्रेस चुनाव समिति की दिल्ली में बैठक में उम्मीदवारों को टिकट की पहली सूची बन गई है। सूत्रों का कहना है कि सीट शेयरिंग में देरी को देखते हुए कांग्रेस पहले चरण के लिए लिस्ट रेडी रखने की तैयारी में है ताकि सीट बंटवारे के ऐलान के बाद फटाफट सूची जारी हो सके। सूत्रों का कहना है कि पार्टी ने उन 25 सीटों पर कैंडिडेट फाइनल किया है, जिन पर राजद और दूसरे सहयोगी दलों की तरफ से कोई आपत्ति या डिमांड नहीं है। दो दिन बाद 10 अक्टूबर से पहले चरण के चुनाव वाली सीटों पर नामांकन शुरू हो रहा है। कांग्रेस चुनाव समिति की बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी समेत कई नेता ऑनलाइन जुड़े जबकि कृष्णा अल्लावरु, राजेश कुमार, मदन मोहन झा, शकील अहमद खान वगैरह बैठक में मौजूद रहे। कांग्रेस पार्टी शुरुआत में तो 2020 में लड़ी 70 से भी ज्यादा सीटों की मांग कर रही थी लेकिन तेजस्वी यादव ने 2020 में हार के लिए कांग्रेस के स्ट्राइक रेट को मसला बना दिया। माना जा रहा है कि कांग्रेस को 50 से ऊपर और 60 तक सीट मिल सकती है। राहुल के बिहार दौरों और यात्रा ने पार्टी का मनोबल बढ़ाया है, जिसका दबाव तेजस्वी पर है।

जारी हो गया अरेस्ट वारंट

बांग्लादेश की पूर्व पीएम को लगेगी अब हथकड़ी ?

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। बीते साल देश में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद पद और देश छोड़ने पर मजबूर हुईं शेख हसीना के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी कर दिया गया है। हसीना के खिलाफ यह वारंट बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने जारी किया है। आईसीटी ने बुधवार को शेख हसीना और हसीना सरकार के अंदर काम कर रहे कई अन्य अधिकारियों के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इससे पहले तीन सदस्यीय इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल की बेंच ने दो अलग-अलग मामलों में

दाखिल आरोपों पर संज्ञान लिया था। बीडी न्यूज24 पोर्टल की एक रिपोर्ट के मुताबिक हसीना और 29 अन्य लोगों पर राजनीतिक विरोधियों को हिरासत में लेने, टॉर्चर करने और उन्हें देश की सिक्योरिटी एजेंसियों द्वारा सीक्रेट ठिकानों से गायब करने का आरोप है।

जम्मू-कश्मीर के आपदा प्रभावित किसानों को केंद्र से मिली राहत

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कृषि भवन, नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के बाढ़ व भूस्खलन प्रभावित किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 21वीं किस्त अग्रिम जारी की। इस सादे समारोह में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, केंद्रीय कृषि सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। वहीं जम्मू-कश्मीर के कृषि मंत्री श्री जावेद अहमद डार, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, किसान कार्यक्रम से वर्चुअल जुड़े।

मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क में योगदान

रसायन के लिए नोबेल पुरस्कार का एलान;जापान-ऑस्ट्रेलिया और यूएस के वैज्ञानिकों को मिला सम्मान

नई दिल्ली। रसायन में नोबेल पुरस्कार 2025 की घोषणा हो चुकी है। स्वीडन की रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने बुधवार (08 अक्तूबर) को इसका ऐलान किया। इस साल ये सम्मान तीन वैज्ञानिक सुसुमु कितागावा (जापान), रिचर्ड रॉबसन (ऑस्ट्रेलिया) और उमर एम. याघी (अमेरिका) को मिला है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और उमर एम. याघी को धातु-कार्बनिक ढांचे के विकास के लिए रसायन विज्ञान में 2025 का नोबेल पुरस्कार देने का निर्णय लिया है। सुसुमु कितागावा जापान के क्योटो

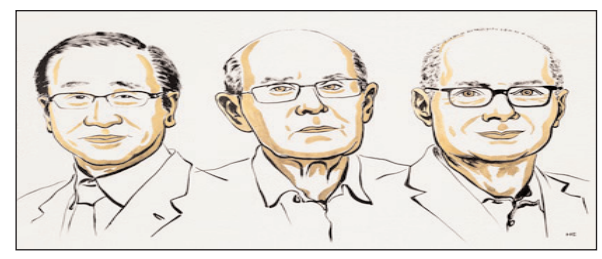

विश्वविद्यालय से हैं, रिचर्ड रॉबसन ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न विश्वविद्यालय से और अमेरिका के बर्कले स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से उमर एम. याघी हैं। तीनों वैज्ञानिकों को संयुक्त रूप से धातु-कार्बनिक ढांचे बनाने में उनके अग्रणी कार्य के लिए सम्मान दिया गया है। मालूम हो कि विजेताओं को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (भारतीय रुपयों में 10.3 करोड़), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट दिया जाएगा। रसायन में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार इन वैज्ञानिकों को मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क में अपने योगदान के लिए दिया गया है। जो कि कार्बन और मेटल दोनों से मिलकर बने होते हैं, इनका उपयोग केमिकल प्रोसेस में सहयोग, गैस को जोड़े रखने और कार्बन डाइऑक्साइड को हवा में से हटाने के लिए किया जाता है। इन शोधकर्ताओं को पुरस्कार के संस्थापक अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि 10 दिसंबर को एक समारोह में औपचारिक रूप से स्टॉकहोम में प्रदान किया जाएगा। बता दें कि 1901 से 2024 के बीच 195 नोबेल पुरस्कार विजेताओं को 116 बार रसायन के लिए यह सम्मान प्रदान किया जा चुका है। गौरतलब है कि अल्फ्रेड नोबेल एक धनी स्वीडिश उद्योगपति और डायनामाइट के आविष्कारक थे और उन्होंने ही इन पुरस्कारों की स्थापना की थी।

आरकेएम पावर प्लांट में हादसा

131 फीट ऊंचाई से गिरी लिफ्ट...4 मजदूरों की मौत

सक्ति/ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के सक्ति जिले में स्थिति आरकेएम पावर प्लांट में मंगलवार की रात को बड़ा हदसा हो गया. लिफ्ट की चैन टूटने से लिफ्ट 40 मीटर की ऊंचाई से नीचे गिर गई. इस हादसे में 2 मजदूरों की मौके पर मौत हो गई जबकि दो मजदूरों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया. कुल चार मजदूरों की जान इस हादसे में चली गई. सक्ति के एडिशनल एसपी हरीश यादव ने घटना की पुष्टि की है. बॉयलर मशीन की मरम्मत के लिए जा रहे थे मजदूर: हादसे के बाद शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि आरकेएम पावर प्लांट में मजदूर बॉयलर की मरम्मत के लिए लिफ्ट से जा रहे थे. तभी लिफ्ट की चैन टूट गई जिससे यह दर्दनाक हादसा हो गया. हादसे में 6 अन्य मजदूर बुरी तरह घायल हुए हैं. घायल मजदूरों को रायगढ़ अस्पताल रेफर किया गया है. सक्ति के एडिशनल एसपी हरीश यादव ने बताया कि अभी रायगढ़ के जिंदल अस्पताल में घायल श्रमिकों का इलाज जारी है. मारे गए मजदूर झारखंड और यूपी के निवासी : हादसे में मारे गए चार मजदूर में से तीन मजदूर यूपी सोनभद्र के रहने वाले हैं. एक मजदूर झारखंड के पलामू का निवासी है. घटना के बाद मजदूरों में भारी गुस्सा है. तनाव की स्थिति को देखते हुए प्लांट में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है. अंजनी कन्नौजिया, उम्र 35 वर्ष, पोखरा, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश मिश्री लाल देवांगन, उम्र 49 वर्ष, बजिया, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश बबलु गुप्ता, उम्र 28 वर्ष, सोनभद्र, उत्तर

प्रदेश रविन्दर ,उम्र 36 वर्ष, पलामू, झारखंड सक्ति। खबर के अनुसार, लिफ्ट से कुछ मजदूर काम से दूसरी मंजिल पर जा रहे थे. अचानक लिफ्ट को कुल 75 मीटर की ऊंचाई तक जाना था, लेकिन यह 40 मीटर की ऊंचाई पर जाते ही टेक्निकल खराबी के चलते नीचे धड़ाम से आ गिरी, इस लिफ्ट में टोटल 9 लोग सवार थे. मौके पर ही 2 मजदूरों की मौत हो गई. जबकि 7 अन्य घायलों को फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है. इस घटना के बाद प्लांट में अफरा-तफरी मच गई. मौके पर प्रशासन और पुलिस की टीम पहुंच चुकी है और पूरे मामले की जांच में जुट गई है. इस हादसे के बाद से ही मजदूरों के परिजनों ने हंगामा कर दिया है. फिलहाल, पुलिस इस हादसे की वजह का पता लगा रही है. घायलों का इलाज चल रहा है और मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. पुलिस के मुताबिक लिफ्ट में कुल 10 मजदूर सवार थे और वे लिफ्ट से बॉयलर की सफाई के लिए जा रहे थे उसी दौरान यह हादसा हो गया. लिफ्ट की क्षमता लगभग 2,000 किलोग्राम थी और इसका रखरखाव कार्य हाल ही में 29 सितंबर को किया गया था. सक्ति के एएसपी ने बताया कि इस हादसे की जांच की जा रही है.

सही समय पर होगा फैसला

न पद की चाह...न सीट की नाराजगी

खगड़िया। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि उनकी राजनीति का मूल मंत्र बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट है। बुधवार को अपने पैतृक गांव अलौली प्रखंड के शहरबन्नी में दिवंगत पिता रामविलास पासवान की चौथी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद चिराग ने मीडिया से बातचीत में यह बात कही। चिराग ने उन अटकलों को खारिज किया, जिनमें एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर उनकी नाराजगी बताई जा रही थी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ना पद की चाह है, ना सीट की

नाराजगी। मेरी कोई पद या सीट की मांग नहीं है। चर्चा अच्छी चल रही है और समय आने पर सही निर्णय होगा। बार-बार यह कहना कि मैं नाराज हूं, पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र सपना और राजनीति का मकसद उनके पिता का देखा हुआ सपना पूरा करना है।

दुर्गुकोंदल में 163 स्कूल भवनों की मरम्मत कार्य में हुई गड़बड़ी की जांच की मांग को लेकर अर्द्ध नग्न प्रदर्शन

भानुप्रतापपुर। दुर्गकोंडल ब्लॉक में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत स्कूलों की मरम्मत में हुए भ्रष्टाचार को लेकर क्षेत्र के युवाओं ने मोर्चा खोल दिया है, युवाओं ने दुर्गुकोंदल ब्लॉक मुख्यालय में अर्धनग्न प्रदर्शन किया है और दोषियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। बता दे कि इसके पहले भी युवाओं ने एक दिवसीय प्रदर्शन कर दोषियों पर कार्यवाही की मांग की थी लेकिन जिला प्रशासन की तरफ से कोई कार्यवाही कही करने के हद युवाओं ने विरोध के अर्धनग्न प्रदर्शन किया है, युवाओं का आरोप है कि ब्लॉक में 163 स्कूलों के मरम्मत के लिए 6 करोड़ 63 लाख रुपए की राशि स्वीकृत हुई थी लेकिन ठेकदारों ने 30 प्रतिशत काम में ही पूरी राशि का आहरण कर लिया और अब कार्य भी पूर्ण नहीं किया जा रहा है। दुर्गकोंडल ब्लॉक में प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल के 163 स्कूलों में मरमत के कार्य होने थे लेकिन ठेकदारों ने अधिकारियों से सांठगांठ कर पैर का बंदरबांट किया है। अब युवाओं की मांग है कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों को जांच से दूर रखकर किसी दूसरे अधिकारी से पूरे मामले की जांच करवाई जाए और दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाने की मांग किया जा रहा है।

साप्ताहिक समय सीमा बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा, कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

बीजापुर। कलेक्टर संबित मिश्रा ने मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक आयोजित कर विभिन्न विभागों के कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। बैठक में जल जीवन मिशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास एवं आधारभूत सुविधाओं से संबंधित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के तहत नए कैंपों और प्रभावित गांवों में शीघ्र पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी ब्लॉकों में आधार कार्ड, राशन कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र, पैन कार्ड जैसी नागरिक सेवाओं से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर दिया। बैठक में आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ितों से संबंधित मामलों की प्रगति पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बिजली विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने मोबाइल नेटवर्क की समस्या पर विशेष ध्यान देते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में टावर कार्यरत नहीं हैं या तकनीकी दिक्कतें हैं, उन्हें शीघ्र सुधार सुनिश्चित किया जाए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने पोटा केबिन आश्रमों और छात्रावासों में भोजन की गुणवत्ता एवं बच्चों की स्वास्थ्य जांच पर विशेष बल देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधीक्षकों को भोजन व्यवस्था का विवरण फोटो सहित प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिले में चल रहे रजत महोत्सव कार्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी भी साझा की गई। शिक्षा के क्षेत्र में कलेक्टर ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि अधिकारी बच्चों के हित में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, सभी अनुभागों के एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्राथमिक शाला कोड़ेनार क्र. 1 किरंदुल में सामाजिक अंकेक्षण कराया गया

किरंदुल। किरंदुल गजराज कैम्प स्थित प्राथमिक शाला कोड़ेनार क्रमांक 01 में मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता के तहत सामाजिक अंकेक्षण कार्य सम्पन्न हुआ, जिसमें शासन की योजना अनुसार सभी पालको,एसएमसी के सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों को बुलाया गया था, उपरोक्त अंकेक्षण में बच्चों की पढ़ाई का स्तर मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता बच्चों के दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले चीजों और भी शाला विकास एवं बच्चों की स्तर पर प्रपत्र के अनुसार प्रश्नों का उत्तर जानने का प्रयास किया गया और बच्चों के स्तर का आंकलन किया गया।उक्त कार्यक्रम में टीम लीडर ललिता चौहान, एसएमसी अध्यक्ष बाला राम साहू सचिव उरे राम साहू,वार्ड पार्षद देवकी ठाकुर, प्रधान अध्यापक थलेश कुमार ठाकुर, पुष्पा साहू, आरती सिंह उपस्थित थे।

पैरालीगल वालिंटियर्स का एक दिवसीय मासिक प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

कोण्डागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी की अध्यक्षता एवं उनकी उपस्थिति में जिला कोण्डागांव एवं जिला नारायणपुर के समस्त थाना में पदस्थ पैरालीगल वालिंटियर्स एवं समस्त लीगल एड क्लीनिक, प्रबंधन कार्यालय में कार्यरत पैरालीगल वालिंटियर्स का एक दिवसीय कार्यशाला/बैठक रखा गया। इस प्रशिक्षण /बैठक में 'सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय एवं प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेन्द्र भटट्' उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चसअे की क्षमता वृद्धि, विधिक सेवाओं की पहुंच और न्याय तक सबकी समान पहुंच सुनिश्चित करता रहा। इस अवसर पर 'न्यायाधीश महोदया' ने सभी अधिकार मित्रों को अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से व्यापक रूप से विधिक जागरूकता शिविर आयोजन करने का निर्देश दिया गया। तथा माननीय नालसा एवं सालसा के समस्त योजनाओं से आम जनों को लाभ दिलाने में मदद करते हुए उन योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया तथा विशेष दिवसों में अनिवार्य रूप से शिविर आयोजित कर प्रचार-प्रसार सामुदायिक स्तरों, ग्राम पंचायतों एवं हाट बाजारों में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने हेतु समस्त पैरालीगल वालिंटियर्स को निर्देशित किया गया। ताकि कोई भी व्यक्ति न्याय पाने से वंचित ना रहे।

बस्तर राइजिंग अभियान आज से होगा प्रारंभ

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ शासन के जनसंपर्क विभाग बस्तर संभाग के सभी जिलों के जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से बस्तर राइजिंग नामक विशेष अभियान 8 अक्टूबर से शुरू होने जा रहा है। दो सप्ताह तक चलने वाला यह अभियान बस्तर संभाग के सातों जिलों में आयोजित किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य बस्तर की सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और उद्यमशील क्षमताओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करना है। अभियान के दौरान विशेषज्ञों, युवाओं, शिल्पकारों और स्थानीय समुदायों के बीच संवाद, कार्यशालाएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन किए जाएंगे।

बस्तर राइजिंग का कारवां केशकाल, नारायणपुर, कोण्डागांव, सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर, चित्रकोट, बारसूर और जगदलपुर का भ्रमण करेगा। इस दौरान बस्तर की कला, हस्तशिल्प, कृषि, पर्यटन, खेल और शिक्षा से जुड़ी संभावनाओं पर विशेष फोकस किया जाएगा। अभियान का समापन रायपुर में हार्मोनी फेस्ट 2025 के रूप में होगा, जिसमें बस्तर की प्रेरक कहानियाँ, नवाचार और सांस्कृतिक विरासत प्रदर्शित की जाएंगी। यह आयोजन दिल मेला-दिल में ला थीम पर आधारित होगा। बस्तर राइजिंग का उद्देश्य है-बस्तर को संघर्ष की नहीं, संभावनाओं की भूमि के रूप में प्रस्तुत करना और वहां के नागरिकों के लिए वास्तविक अवसरों का सृजन करना।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत संकुल केंद्र टिकनपाल में कराया गया सामाजिक अंकेक्षण

किरंदुल। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत संकुल केंद्र टिकनपाल के समस्त 10 स्कूलों में मंगलवार सामाजिक अंकेक्षण कराया गया जिसमें सामाजिक अंकेक्षण टीम लीडर,संस्था के समस्त शिक्षक, पालकगण, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य, जन समुदाय उपस्थित थे। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद करेगी बच्चों के शिक्षा स्तर में सुधार होगा पढ़ाई के साथ-साथ खेल के महत्व को भी बताया गया हैं। इको क्लब का निर्माण कर विद्यालय में एक पेड़ मां के नाम का परिपालन किया जा रहा हैं, समस्त शालाओं में नेता भोज का आयोजन कराया गया।इस अभियान में संकुल समन्वयक अजय कुमार साहू, प्रधानाध्यापक शंकर लाल नाग, विजेंद्र गुप्ता, जयश्री कश्यप, रुक्मणी नेताम, इतवारी नेताम, मेहतर बघेल, सुनील कड़ती, राजेश पाल, अनारकली साहू विनोद कुंजाम, अश्वन कुंजाम, नागेश मिश्रा, टिकनपाल सरपंच बुधराम ताती एवं ग्रामवासी शामिल रहें।

फार्म मशीनरी बैंक से हो रही वीरेन्द्र को आमदनी समेत खेती-किसानी में सहूलियत

जगदलपुर। जिले के बकावण्ड तहसील अंतर्गत कचनार निवासी वीरेन्द्र बघेल शासन की योजना से लाभान्वित होकर कृषि यंत्र सेवा केन्द्र के जरिये क्षेत्र के किसानों को कृषि कार्य के लिए किराए पर कृषि उपकरण सुलभ करवाकर जहां आमदनी अर्जित कर रहे हैं, वहीं स्वयं की कृषि भूमि में उपकरणों के द्वारा उन्हें खेती-किसानी में सहूलियत हो रही है। हायर सेकंडरी तक शिक्षित 42 वर्षीय वीरेन्द्र के पास खेती का रकबा 3 एकड़ है, जिसमें पहले परंपरागत तकनीक से कृषि कार्य करते हुए मात्र दो लाख रुपए का आय प्रतिवर्ष अर्जित करते थे। परंपरागत तकनीक से कृषि कार्य करने से उत्पादन लागत अधिक एवं मुनाफा कम होता था एवं कृषि कार्य भी समय पर संपादित नहीं होता था। वीरेन्द्र बताते हैं कि गत वर्ष कृषि अभियांत्रिकी कृषि विभाग के संपर्क में आकर कृषि यांत्रिकीकरण सबमिशन अंतर्गत फार्म मशीनरी बैंक कम्पोनेंट-04 के तहत कृषि यंत्र सेवा केन्द्र की स्थापना किया। जिसमें 02 नग ट्रेक्टर, 01 नग कल्टीवेटर, 01 नग थ्रेसर, 01 नग रिपर, 01 नग रोटावेटर, 01 नग सीड ड्रिल एवं 01 नग स्प्रेयर का क्रय बैंक ऋण के माध्यम से किया गया। जिसकी कुल लागत 25 लाख 17 हजार रुपए है, जिसमें राज्य शासन द्वारा 10 लाख रुपए का अनुदान प्रदान किया गया। वीरेन्द्र बघेल ने बताया कि फार्म मशीनरी बैंक के माध्यम से उन्नत तकनीक से खेती कर अधिक मुनाफा प्राप्त कर रहे हैं। वहीं क्षेत्र के कुदालगांव कचनार, बोरपदर, मेटावाड़ा, भिरलीगा, चोलनार आदि ग्रामों में लगभग 365 से अधिक किसानों द्वारा कृषि यंत्र किराये से प्राप्त कर उन्नत तकनीक से कृषि कार्य कर रहे हैं। इन किसानों का खरीफ एवं रबी फसल हेतु खेत की तैयारी समय पर उन्नत कृषि यंत्र से संपादित हो रहा है। फार्म मशीनरी बैंक द्वारा विगत 13 महीने में मशीनों के किराए से करीब 10 लाख रुपए आय प्राप्त किए, जिसमें डीजल एवं मरम्मत पर लगभग 04 लाख रुपए का व्यय हुआ और एवं करीब 06 लाख रुपए का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। जिससे ढाई लाख रुपए से ज्यादा बैंक ऋण अदा किया गया है।

नवजात के शव को नोच रहे कुत्ते की वायरल तस्वीर से मचा हड़कंप

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर नगर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सोशल मीडिया पर एक तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें एक कुत्ता नवजात बच्चे के शव को नोचकर खाता हुआ दिखाई दे रहा है। इस भयावह दृश्य ने पूरे नगर में सनसनी फैला दी है और स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना अंतागढ़-भानुप्रतापपुर मार्ग के सुभाष पारा वार्ड की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि बीती रात करीब 1 बजे के आसपास एक कुत्ता नवजात के शव को सड़क किनारे लाकर नोचते हुए खा रहा था। किसी स्थानीय व्यक्ति ने यह दृश्य अपने मोबाइल में कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसके बाद मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। स्थानीय पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों के माध्यम से मिली है। पुलिस ने कहा कि वर्तमान में घटना की सत्यता की पुष्टि नहीं की जा सकी है, लेकिन मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच उपरांत ही स्पष्ट जानकारी दी जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर जिले में अवैध गर्भपात के मामलों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग व महिला बाल विकास विभाग की लापरवाही और निजी स्तर पर संचालित अवैध गर्भपात केंद्रों पर निगरानी की कमी से ऐसी अमानवीय घटनाएं सामने आ रही हैं।

झोला छाप डॉक्टर अवैध गर्भपात संलिप्त - क्षेत्र में झोला छाप डॉक्टर व प्रवेश हॉस्पिटलों में इस तरह के अवैध गर्भपात के कार्य किया जा रहा है, इन झोला छाप डॉक्टरों पर कड़ाई करने की आवश्यकता है। पहले भी कई मेडिकल में गर्भपात के दवाई बिकने की शिकायत स्वास्थ्य विभाग को किया गया था लेकिन कोई कार्यवाही नही किया जा रहा है जिस कारण इस तरह के घटना सामने आ रही हैं।

कांकेर रेंज डीआईजी अमित तुकाराम कांबले ने कोण्डागांव में वार्षिक निरीक्षण किया, सिटी कोतवाली का भी लिया जायजा

कोण्डागांव। कोण्डागांव में कांकेर रेंज के डीआईजी अमित तुकाराम कांबले ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में वार्षिक निरीक्षण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक येदुवेल्ली अक्षय कुमार सहित सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में सुरक्षा व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिस कार्यों की समीक्षा की गई। डीआईजी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक थाने और चौकी में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके बाद डीआईजी कांबले ने सिटी कोतवाली कोण्डागांव का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाने के रिकॉर्ड, पेट्रोलिंग गतिविधियों और आम नागरिकों से संवाद पर विशेष ध्यान दिया गया। डीआईजी ने पुलिस अधिकारियों को जनता की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण में सतर्क रहने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिले में इस वार्षिक निरीक्षण का उद्देश्य पुलिस कार्यों का प्रभावी मूल्यांकन करना और भविष्य में सुधार हेतु ठोस कदम उठाया बताया गया।

बस्तर दशहरा लोकोत्सव में सजी संस्कृति और कला का अप्रतिम छटा

जगदलपुर। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व के अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा लालबाग मैदान में आयोजित बस्तर दशहरा लोकोत्सव की सांस्कृतिक संध्या ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह शाम बॉलीवुड के तड़के और बस्तर की समृद्ध लोक कला का अदभुत संगम रही, जिसमें भारी संख्या में कला प्रेमी उमड़े।

बॉलीवुड के जादूगर अभिजीत सावंत ने बांधा समां - सांस्कृतिक संध्या का मुख्य आकर्षण बॉलीवुड के लोकप्रिय गायक अभिजीत सावंत रहे। इंडियन आइडल फेम इस गायक की शानदार प्रस्तुति सुनने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ जुटी। अभिजीत सावंत ने अपनी सुरीली आवाज से एक से बढ़कर एक गीतों को पेश किया, जिसने लोकोत्सव की भव्यता में चार चांद लगा दिए। उनकी संगीतमय प्रस्तुति ने उपस्थित सभी लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

स्थानीय कला और पारंपरिक नृत्यों का भव्य प्रदर्शन - कार्यक्रम की शुरुआत स्कूली छात्र-छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुतियों से हुई, जिन्होंने बस्तर की सांस्कृतिक जड़ों को दर्शाया। विद्या ज्योति स्कूल, जगदलपुर के रोसो जामू और अर्चिता टोप्पो ने ओड़िया नृत्य का बेहतरीन प्रदर्शन किया। हायर सेकेंडरी स्कूल, छिंदावाड़ा के विद्यार्थियों ने अपनी पारंपरिक धुरवा समूह नृत्य कला का प्रदर्शन किया। रुक्मिणी आश्रम, डिमरापाल की छात्राओं ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को मंच पर जीवंत किया। उन्होंने करमा छत्तीसगढ़ी समूह नृत्य का प्रदर्शन किया। स्वामी आत्मानंद विद्यालय के विद्यार्थियों ने पारंपरिक साय रेला विवाह समूह नृत्य प्रस्तुत किया। माध्यमिक विद्यालय बोरपदर के विद्यार्थियों ने भी ओड़िया समूह नृत्य के माध्यम से पड़ोसी राज्य के संस्कृति की झलक दिखाई।

शास्त्रीय और लोक कलाकारों का उत्कृष्ट प्रदर्शन - स्कूली प्रस्तुतियों के बाद मंच पर विभिन्न कला शैलियों का प्रदर्शन हुआ। उदय मलिक ने अपनी आवाज से दर्शकों का मन मोहा। वृद्धि पिल्ले के कथक नृत्य और जयपुर, ओडिशा की प्रेरणा डांस एकेडमी के ओड़िया नृत्य ने दर्शकों को प्रभावित किया। कोंडागाँव के लछिन एवं टेमन ने छत्तीसगढ़ी डांस प्रस्तुत किया, वहीं जॉयिता विश्वास ने बांग्ला नृत्य का प्रदर्शन किया। स्थानीय प्रतिभा कुमकुम वासनिक और निधि रावल की शानदार प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम को खास बनाया। बस्तर दशहरा लोकोत्सव समिति ने इस यादगार सांस्कृतिक संध्या के सफल आयोजन के लिए सभी कलाकारों और उपस्थित दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया है, जिसमें स्थानीय कला और राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों का एक अविस्मरणीय संगम देखने को मिला।

संक्षिप्त समाचार

पांच दिवसीय कथा में शामिल हुए पं. धीरेंद्र शास्त्री,धर्मांतरण पर जताई कड़ी आपत्ति

रायपुर। बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इन दिनों छत्तीसगढ़ प्रवास पर हैं। वे राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी क्षेत्र में आयोजित हनुमान कथा महोत्सव में भाग ले रहे हैं। यह पांच दिवसीय धार्मिक आयोजन 4 अक्टूबर से शुरू हुआ है और 8 अक्टूबर तक चलेगा। रविवार को मीडिया से बातचीत करते हुए पं. धीरेंद्र शास्त्री ने रायपुर से अपने विशेष जुड़ाव को व्यक्त करते हुए कहा कि यह तीसरा अवसर है जब वे यहां कथा सुना रहे हैं। उन्होंने रायपुर की जनता के स्नेह और श्रद्धा को विशेष रूप से सराहा। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ की धरती वह भूमि है, जहां विरोध के स्वर सबसे पहले उठे थे, लेकिन यह अब विजय और बदलाव की भूमि बन रही है। यहाँ का माहौल तेजी से सकारात्मक परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। धर्मांतरण के मुद्दे पर पं. शास्त्री ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जबरन या छलपूर्वक धर्म बदलवाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के पाखंड और अंधविश्वास फैलाकर धर्मांतरण कराना पाप है और इसके लिए कड़ी सजा, यहां तक कि फांसी की सजा भी विचार योग्य है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि देशभर में योजनाबद्ध तरीके से हिंदू समाज को डराने और भ्रमित करने की कोशिशें की जा रही हैं। इसी के विरोध में वे छत्तीसगढ़ में शीघ्र ही पदयात्रा का आयोजन करने वाले हैं। शास्त्री जी ने छत्तीसगढ़ में घटते नक्सल प्रभाव की सराहना करते हुए कहा कि यह राज्य अब शांति और विकास की दिशा में अग्रसर है। साथ ही उन्होंने राज्य सरकार से अपेक्षा जताई कि वह धर्मांतरण जैसे गंभीर मुद्दों पर और अधिक सक्रिय भूमिका निभाए। अपनी शैली में संबोधन करते हुए पं. धीरेंद्र शास्त्री ने समाज को आत्मचिंतन का संदेश देते हुए कहा, अपने घर के पिता को ही पिता मानो, पड़ोसी के अंकल को नहीं। उनका यह वक्तव्य सांस्कृतिक पहचान और मूल्यों की रक्षा की ओर संकेत करता है।

नौसेना के नए पोतों का नामकरण होगा छत्तीसगढ़ की नदियों के नाम पर, प्रदेश में सेना भर्ती रैली का प्रस्ताव

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके निवास पर सौजन्य मुलाक़ात की। बैठक में बिलासपुर एयरपोर्ट के विस्तार, रक्षा क्षेत्र के विकास, पूरे प्रदेश में सेना भर्ती रैलियों के आयोजन एवं नौसैनिक पोतों के नामकरण जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को अवगत कराया कि बिलासपुर में रक्षा मंत्रालय की भूमि है। इस भूमि को उन्होंने बिलासपुर एयरपोर्ट के विस्तार के लिए उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने यहां रक्षा क्षेत्र से संबंधित विकासात्मक कार्य भी आरंभ करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि छत्तीसगढ़ में सेना में भर्ती होने के प्रति युवाओं में विशेष उत्साह है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं में अनुशासन, शारीरिक क्षमता और देशभक्ति की भावना है। इस आधार पर उन्होंने रक्षा मंत्री से आग्रह किया कि पूरे प्रदेश में विशेष सेना भर्ती रैलियों का आयोजन किया जाए, जिससे युवाओं को अपने ही प्रदेश में देश सेवा का अवसर मिल सके। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुख्यमंत्री के इस आग्रह का स्वागत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार देश के हर कोने से योग्य युवाओं को सेना में जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पूरे प्रदेश में सेना भर्ती रैलियों के आयोजन का आश्वासन दिया। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य की सांस्कृतिक पहचान और गौरवशाली परंपराओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की नदियाँ — इंद्रावती, महानदी — केवल जलस्रोत नहीं, बल्कि प्रदेश की आत्मा हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि रक्षा मंत्रालय जब भी नए नौसैनिक पोतों या जहाजों को लॉन्च करे, तो उनमें से कुछ का नाम छत्तीसगढ़ की नदियों और क्षेत्रों के नाम पर रखा जाए, जैसे आईएनएस इंद्रावती, आईएनएस महानदी या आईएनएस बस्तर। यह न केवल प्रतीकात्मक रूप से सुंदर होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्रदान करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सुझाव की सराहना करते हुए कहा कि यह विचार भारत की विविधता और एकता को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय इस पहल पर गंभीरता से विचार करेगा और उपयुक्त अवसर पर इसे लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति के तहत रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण को प्रोत्साहन देने की योजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह नीति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विज़न के अनुरूप है और इससे छत्तीसगढ़ में उच्च तकनीकी प्रशिक्षण, अनुसंधान और निजी निवेश के अवसर बढ़ेंगे।

चैतन्य बघेल 13 अक्टूबर तक न्यायिक रिमांड पर

रायपुर। बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे चैतन्य बघेल को कोर्ट ने चैतन्य बघेल को 13 अक्टूबर तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा। चैतन्य को आज एसीबी-ईओडब्ल्यू की विशेष कोर्ट में पेश किया गया था। वहीं चैतन्य बघेल के जमानत के लिए ईओडब्ल्यू कोर्ट में याचिका लगाई गई है, जिस पर सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी। बता दें कि ईओडब्ल्यू ने चैतन्य बघेल को 13 दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की है। रिमांड खत्म होने पर आज सोमवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी कोर्ट पहुंचे और अपने बेटे चैतन्य बघेल से मुलाकात की। चैतन्य बघेल और वकील से कोर्ट के फैसलों की जानकारी ली। ज्ञात हो कि ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को भिलाई निवास से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत गिरफ्तार किया था। शराब घोटाले की जांच ईडी ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत एसीबी/ईओडब्ल्यू रायपुर द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस घोटाले के कारण प्रदेश के खजाने को भारी नुकसान हुआ और करीब 2,500 करोड़ रुपए की अवैध कमाई (पीओसी) घोटाले से जुड़े लाभार्थियों की जेब में पहुंचाई गई। ईडी की जांच में पता चला है कि चैतन्य बघेल को शराब घोटाले के 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। उन्होंने इस पैसे का इस्तेमाल अपनी रियल एस्टेट फर्मों में किया है। इस पैसे का उपयोग उनके प्रोजेक्ट के ठेकेदार को नकद भुगतान, नकदी के खिलाफ बैंक प्रविष्टियों आदि के माध्यम से किया गया था।

राज्यपाल रमेन डेका ने बैकुण्ठपुर आकांक्षी ब्लॉक में विकास योजनाओं की समीक्षा की

शिक्षा और बुनियादी सेवाओं पर विशेष ध्यान,फील्ड निरीक्षण के निर्देश

रायपुर/संवाददाता

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज कोरिया के कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में बैकुण्ठपुर आकांक्षी ब्लॉक में संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। श्री डेका ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि केवल बैठकों और रिपोर्ट पर निर्भर न रहें, बल्कि फील्ड में जाकर वस्तुस्थिति का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र विकास की सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताएँ है। राज्यपाल ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत 40 संकेतकों के अनुसार कार्यों की समीक्षा की। राज्यपाल ने कहा कि कुपोषण, महिला स्वास्थ्य और कैंसर जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए फील्ड स्तर पर लगातार काम करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी और स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ, साफ पेयजल और शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कुपोषण, एनीमिया जैसी गम्भीर बीमारियों

के रोकथाम के लिए लगातार गांवों का दौरा करें और समुचित समाधान करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने ग्रामीणों को बंजर भूमि पर डबरी निर्माण, बागवानी और सब्जी की खेती के माध्यम से जीवन स्तर सुधारने और आर्थिक लाभ बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों के अध्ययन के लिए घरों में विशेष कक्ष तैयार करने के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करने की सलाह दी। श्री डेका ने कलेक्ट्रेट परिसर में फोटो प्रदर्शनी और आजीविका मिशन स्टाल का अवलोकन किया। उन्होंने स्थानीय उत्पादों के प्रचार के लिए तैयार किए गए 'कोरिया अमृत' लोगो का विमोचन किया। साथ ही रुद्राक्ष का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। राज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में लगातार मेहनत और सक्रिय निगरानी जारी रखी जाए।

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने उत्कृष्ट कार्य के लिए डाइट के प्राचार्य को सम्मानित किया

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला प्रवास के दौरान आज उत्कृष्ट कार्य के लिए डाइट के प्राचार्य श्री जे पी पुष्प को कलेक्ट्रेट में शाल और श्रीफल से सम्मानित किया। श्री पुष्प ने 1997 से 2013 तक हायर सेकेण्डरी विद्यालय जैजैपुर में प्राचार्य पद पर रहते हुए विद्यालय को नवाचारी, गतिशील बनाए रखा। इनके कार्यकाल में पूरे विकासखंड के विद्यार्थी इस विद्यालय में अध्ययन करना चाहते थे। इस विद्यालय में विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास के लिए कार्यक्रम संपन्न किए जाते थे। दो बार कक्षा 12वीं के विद्यार्थी टॉप 10 में स्थान बनाने में सफल हुए। इस विद्यालय से राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी प्राप्त हुए। शिक्षककीय कार्य में सेना तथा प्रशासनिक सेवा के क्षेत्रों में भी इस विद्यालय से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय स्थान अर्जित किया है। उस समय 2500 विद्यार्थियों की विशाल दर्ज संख्या के लिए शिक्षकों की व्यवस्था करना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना तथा व्यक्तित्व विकास का कार्य करना उस समय के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि रहा। श्री जे .पी. पुष्प वर्तमान में डाइट पेंड्रा में प्राचार्य के पद पर कार्यरत है। यहां भी जिले के आकांक्षी युवकों के लिए निशुल्क कोचिंग का संचालन कर रहे हैं। साथ ही एनइपी 2020 के अंतर्गत तीन जिले-मुंगेली, बिलासपुर तथा गौरेला पेंड्रा मरवाही में एफएलएन हेतु मार्गदर्शन, कठपुतली नृत्य, डाइट में संसाधनों की व्यवस्था, उल्लास कार्यक्रम का प्रचार प्रसार, मिनी बॉटनिकल गार्डन का विकास, डाइट परिसर का ईसीसीई की थीम पर साज सज्जा करना , शिक्षकों के लिए टीईटी मार्गदर्शन कक्षाओं का आयोजन करना जैसे महत्वपूर्ण कार्य इनके द्वारा किए जा रहे हैं।

अमरेश मिश्रा,शुक्ला,गर्ग और दीपक झा फर्स्ट पुलिस कमिश्नर बनने की दौड़ में

- एसपी कलेक्टर कांफ्रेंस के पश्चात जारी होगी आईपीएस की सूची
- ओडिशा की तर्ज पर पुलिस कमिश्नर प्रणाली को बनाये जाने की अनुशंसा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पुलिस कमिश्नर सिस्टम को लेकर आशंकाओं का दौर शुरू हो गया है। सरकार द्वारा इसे अगले महीने से लागू किये जाने की औपचारिकता की जा रही है। लेकिन अब इस सिस्टम को खड़ा करने के लिए राज्य सरकार का पसीना छूट रहा है। वहीं फस्ट पुलिस कमिश्नर बनने के लिए सीटिंग आईजी अमरेश मिश्रा संजीव शुक्ला, रामगोपाल गर्ग और दीपक झा के लिए कवायद शुरू हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के ओडिशा राज्य में यह सिस्टम लागू किया गया है। इसके लिए ओडिशा सरकार को विधानसभा में संशोधन लाना पड़ा था लेकिन छग में भी अब इस सिस्टम को लागू करने के लिए एडीजीपी प्रदीप गुप्ता की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई है जिसमें पुलिस कमिश्नर बनाने की प्रणाली को लागू करने की सिफारिश की है। इस पद पर आईजी स्तर के अधिकारी को ही बैठाना पड़ेगा। जिसमें सबसे सीनियर पी सुंदरराज है। नक्सलियों को सफाये के लिए

उन्हें याद किया जाता है वर्तमान में वे केंद्रीय गृहमंत्री एवं राज्य शासन के लोकप्रिय अधिकारी है। छग में कमिश्नर प्रणाली लागू होने की संभावना को देखते हुए अब आईजी स्तर के अमरेश मिश्रा बिलासपुर आईजी संजीव शुक्ला दुर्ग आई रामगोपाल गर्ग, सरगुजा आई दीपक झा का नाम चर्चा में है। ये तीनों अधिकारी साफ सुथरी छबि वाले है। दीपक झा सात जिलों के एसपी रहे है। वर्तमान में राज्य शासन को ही इन चारों में से किसी एक को नियुक्त करना पड़ेगा। छग में पुलिस कमिश्नर प्रणाली को लागू करने की कवायद चालू होते ही अब नये आईजी की भी पद स्थापना करने की कवायद शुरू हो गई है। वर्तमान में महासमुंद के एसपी प्रतिनियुक्ति पर जा रहे हैं। वहीं अब वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी पदोन्नत किया जाएगा। वर्तमान में आईजी बनने वाले की दौड़ में कई अधिकारी सक्रिय हो गये है। इनमें अजय यादव तथा अन्य अधिकारी है बताया जाता है कि आगामी पुलिस एसपी कांफ्रेंस के पश्चात यहां पर लिस्ट जारी हो जाएगी। जिसमें कई एसपी भी बदले जाएंगे।

आम जनता को मिले जीएसटी की घटी दरों का लाभ-वित्तमंत्री चौधरी

- वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने ली 'जीएसटी बचत उत्सव' की विशेष समीक्षा बैठक

रायपुर/ संवाददाता

वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने ली 'जीएसटी बचत उत्सव' की विशेष समीक्षा बैठकनवा रायपुर में आयोजित 'जीएसटी बचत उत्सव' की विशेष समीक्षा बैठक में वित्त एवं वाणिज्यिक कर मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी ने राज्य के नागरिकों को जीएसटी की घटी दरों का त्वरित लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में की गई कटौती का लाभ सीधे आम जनता तक पहुँचना चाहिए, ताकि हर परिवार को वास्तविक बचत और व्यापारियों को राहत मिल सके। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बैठक में राज्य के सभी बाजारों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों से फीडबैक लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि जीएसटी दरों में की गई कमी का लाभ उपभोक्ताओं तक पारदर्शी रूप से पहुँचे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी 2.0 के अंतर्गत दरों में ऐतिहासिक कमी की गई है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को राहत देना और व्यापार को सुगमता प्रदान करना है। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि इस सुधार का लाभ समयबद्ध और ईमानदारीपूर्वक जनता तक पहुँचे। गौरतलब है कि आम उपयोग की वस्तुओं की दरों में व्यापक कमी की गई है — लगभग 99 प्रतिशत वस्तुएँ अब 5 प्रतिशत जीएसटी स्लैब में लाई गई हैं। इस निर्णय से उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष रूप से बड़ी बचत हो रही है। उदाहरण के तौर पर, ट्रैक्टर जैसी कृषि मशीनरी पर 60,000 रुपये से 1,20,000 रुपये तक की बचत संभव हुई है। वहीं, कपड़ों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में भी उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे आमजन का वार्षिक खर्च काफी घटेगा। उल्लेखनीय है कि 22 सितंबर 2025 से लागू हुए जीएसटी 2.0 सुधारों का उद्देश्य आम भारतीय परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ पहुँचाना है। इन सुधारों के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण राहत दी गई है। व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम अब जीएसटी मुक्त हैं, जिससे परिवारों को सालाना हजारों रुपये की बचत होगी. अधिकांश दवाइयों, मेडिकल उपकरणों और डायग्नोस्टिक किट पर जीएसटी दर 12ब से 5ब कर दी गई है, जबकि कई जीवनरक्षक दवाइयाँ पूरी तरह टैक्स मुक्त कर दी गई हैं। इन सुधारों से न केवल आम नागरिकों को स्वास्थ्य खर्च में राहत मिली है, बल्कि घरेलू बजट पर सकारात्मक असर भी पड़ा है।

टीपी वर्मा हो रहे चालू माह में रिटायर्ड

सुब्रत साहू को रेवेन्यु बोर्ड के चेयरमैन बनाने की कवायद

- मुख्य सचिव के समकक्ष का पद है रेवेंयु बोर्ड का चैयरमैन

रायपुर। प्रदेश में मुख्य सचिव के रूप में विकासशील को पदस्थ करने के पश्चात अब रेवेन्यु बोर्ड ने एसीएस सुब्रत साहू को बतौर चैयरमैन नियुक्त करने की कवायद जारी है। बताया जाता है कि टोपलाल वर्मा इस महीने रिटायर्ड हो रहे है। इसके पश्चात मुख्य सचिव के समकक्ष सुब्रत साहू को रेवेन्यु बोर्ड का चेयरमैन बना दिया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार राज्य में एसीएस के

स्तर के श्रीमती रेणु पिल्ले एवं सुब्रत साहू को अब मंत्रालय से बाहर पदस्थ किये जाने की कवायद जारी हो गई है। दोनों मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी है। इसलिए इन दोनों को सम्मानपूर्वक स्थान सौंपा जाएगा। रेणु पिल्ले को माध्यमिक शिक्षा मंडल और व्यापक का चेयरमैन बनाया गया है। रेणु पिल्ले अपने विभाग में नियमानुसार कार्य कर रही है। राजस्व विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एसीएस सुब्रत साहू को रेवेंयु बोर्ड का नया चेयरमैन बनाया जाएगा। वर्तमान चेयरमैन पीपी वर्मा 10 अक्टूबर रिटायर्ड हो रहे हे। इसलिए उन्हें 31 अक्टूबर को अवकाश प्रदान कर दिया जाएगा। राजस्व विभाग के आदेश की पुष्टि करते हुए अधिकृत करते हुए बताया कि वर्मा के रिटाडर होने के बाद सुब्रत साहू अपना पदभार संभालेंगे। वर्तमान में सुब्रत साहू एडिशनल चीफ सेक्रेटरी है। वे मुख्य सचिव से सीनियर भी है कायदे से उन्हें अतिरिक्त प्रभार नहीं देना चाहिए।

खेत में बिछे बिजली तार की चपेट में आने से 16 वर्षीय किशोर की मौत, इलाके में शोक

रायपुर। जिले के पचपेड़ी थाना क्षेत्र में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में 16 वर्षीय किशोर की करंट लगने से मौत हो गई। यह हादसा खेत में अवैध रूप से बिछाए गए बिजली के तार के कारण हुआ। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव के कुछ किसानों ने मवेशियों से फसल को बचाने के लिए खेत के किनारे बिजली का नंगा तार बिछा रखा था। उसी दौरान गौरव नाम का किशोर किसी कार्य से खेत की ओर गया और अचानक तार की चपेट में आ गया। करंट लगते ही वह बेहोश होकर ज़मीन पर गिर पड़ा। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे तुरंत तार से अलग किया और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मस्तूरी ले गए।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत राज्य के 58 हजार शालाओं का सामाजिक अंकेक्षण प्रारंभ

बच्चों की सीखने की कला में लाना है सुधार-शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव

रायपुर/ संवाददाता

राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के अंतर्गत शालाओं का सामाजिक अंकेक्षण प्रारंभ किया गया है। इस अंकेक्षण का आयोजन राज्य के सभी 58 हजार शालाओं में 6 से 8 अक्टूबर 2025 तक किया जा रहा है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने प्रदेश के सभी जिला एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सामाजिक अंकेक्षण केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह बच्चों की शिक्षा की वास्तविक स्थिति जानने और उसे सुधारने का अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी और शिक्षक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समुदाय की भागीदारी सक्रिय हो और अंकेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर तुरंत सुधारात्मक कदम उठाया जाए। शिक्षा मंत्री श्री यादव ने यह भी कहा कि यह अभियान शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में राज्य सरकार

की प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष उदाहरण है, जिसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी अपेक्षित है। इस अभियान का उद्देश्य विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के घटकों का त्वरित क्रियान्वयन कर बच्चों की सीखने की उपलब्धियों में सुधार लाना है। सामाजिक अंकेक्षण के माध्यम से समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित कर शिक्षा की गुणवत्ता पर ठोस प्रभाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। 2 अक्टूबर 2025 को आयोजित ग्राम सभा में विद्यालयों में सामाजिक अंकेक्षण के आयोजन के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकृति दी गई। इसके बाद प्रत्येक शाला के लिए सामाजिक अंकेक्षण टीमों का गठन किया गया है, जिनमें निकटवर्ती विद्यालय के शिक्षक को टीम लीडर तथा स्थानीय समुदाय से शिक्षा में रुचि रखने वाले सदस्यों को शामिल किया गया है। सामाजिक अंकेक्षण हेतु प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं हाई-हायर सेकेंडरी स्तर पर प्रश्नावली तैयार करने और प्रशिक्षण देने का कार्य राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा किया गया है। समग्र शिक्षा इस कार्यक्रम के नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है। सामाजिक अंकेक्षण के दौरान समुदाय से कुल 20 प्रश्नों पर जानकारी एकत्र की जा रही है। इसमें बच्चों की पठन क्षमता, गणितीय कौशल, शिक्षकों की उपस्थिति, पुस्तकालय उपयोग, परीक्षा परिणाम, स्थानीय भाषा के उपयोग जैसे पहलू शामिल हैं। इसी के साथ समुदाय से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर विद्यालयों की स्थिति का विश्लेषण किया जाएगा। विद्यालयों द्वारा सामाजिक अंकेक्षण की तिथि तय कर समुदाय के सदस्यों को उपस्थिति हेतु आमंत्रित किया गया है। विशेष रूप से, यदि कोई परिवार अपने सगे-संबंधी की स्मृति में न्यौता भोज आयोजित करना चाहे तो वह भी इसी दिन किया जा सकता है। जिलों के प्रदर्शन की समीक्षा के दौरान समुदाय की उपस्थिति और आयोजित न्यौता भोजों की संख्या को भी आकलन में शामिल किया जाएगा। अंकेक्षण के बाद भरे गए प्रपत्रों पर समुदाय के हस्ताक्षर लेकर उन्हें विकासखंड स्तर पर जमा किया जाएगा, जहाँ ऑनलाइन प्रविष्टि की जाएगी। विद्या समीक्षा केंद्र के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर कमजोर प्रदर्शन करने वाली शालाओं की सूची तैयार की जाएगी। इन शालाओं का निरीक्षण जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा किया जाएगा ताकि आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें। सामाजिक अंकेक्षण के दौरान जिन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता पाई जाएगी, वहाँ समुदाय से इच्छुक प्रतिभागियों की सूची बनाकर उनके सहयोग से सुधार कार्य आरंभ किए जाएंगे।

संपादकीय

भारत-रूस के बीच लंबे समय से परस्पर सहयोग आधारित संबंध

दुनिया भर में बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच रूस के विदेश मंत्री ने भारत के अन्य देशों के साथ संबंधों को लेकर जो कहा है, उसे एक परिपक्व टिप्पणी कहा जा सकता है। दरअसल, पिछले कुछ समय से अमेरिका ने आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह तेज रफ्तार से नीतिगत फैसले किए हैं, उसके केंद्र में सिर्फ अपना हित सुनिश्चित करने के लिए दूसरे देशों के हितों को नजरअंदाज करने से लेकर उन पर दबाव बनाने तक का रवैया शामिल है। इस क्रम में भारत कुछ ज्यादा ही निशाने पर लगता है, क्योंकि अमेरिका ने शुल्क लगाने से लेकर रूस से तेल आयात करने पर जुर्माना लगा कर कई तरह से भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की।मगर भारत के लिए सबसे अहम चुनौती यह है कि वह किसी भी देश के नाहक दबाव के सामने किस हद तक समझौता कर सकता है। ऐसी स्थिति में भारत ने अपनी स्वतंत्र नीति पर अमल जारी रखा और अमेरिका के बहुस्तरीय दबाव के बावजूद अपने स्तर पर कूटनीतिक फैसले लिए। इसके तहत भारत ने बिना किसी आग्रह के यह तय किया कि किस देश के साथ उसे कैसा संबंध रखना है और किसे अपने सहयोगी के रूप में तरजीह देना है।कायदे से भारत के इस रुख से किसी भी देश को उज्र नहीं होना चाहिए था, क्योंकि इसमें अन्य देशों की उपेक्षा या किसी के विरुद्ध कोई नीतिगत दखलअंदाजी नहीं है। इस लिहाज से देखें तो रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का यह बयान महत्त्वपूर्ण है कि रूस ने हमेशा से भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का सम्मान किया है और रूस को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि भारत का दूसरे देशों के साथ कैसा रिश्ता है। लावरोव ने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ भारत के संबंध कैसे रहते हैं, इसे लेकर भी रूस को कभी चिंता नहीं हुई।जाहिर है, रूसी विदेश मंत्री का बयान एक स्वतंत्र और संप्रभु देश के रूप में भारत के कूटनीतिक फैसलों का सम्मान करने के साथ-साथ अपने ऊपर भरोसे की भी अभिव्यक्ति है। यह छिपा नहीं है कि भारत और रूस के बीच दूरी बनाने के मकसद से अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाने की भी कोशिश की। यह एक तरह से अमेरिका के अपने असुरक्षाबोध का सूचक और जल्दबाजी में किया गया फैसला था। मगर भारत ने अपनी जरूरत और हितों के अनुरूप ही इस संबंध में अपना रुख तय किया और रूस से तेल की खरीदारी जारी रखी।यों भी, भारत और रूस के बीच पुराने और मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं और दोनों देश एक-दूसरे का सम्मान करते रहे हैं।

वृद्ध बोझ नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिवस का उद्देश्य वृद्धों के अधिकारों, उनकी गरिमा और उनके योगदान को रेखांकित करना है। यह दिन हमें यह सोचने को विवश करता है कि जीवन के इस अंतिम पड़ाव में, जिसे कभी सम्मान और अनुभव का प्रतीक माना जाता था, आज वह उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का पर्याय क्यों बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2030 तक 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग पूरी दुनिया में 1.4 अरब से अधिक हो जाएंगे और 2050 तक यह संख्या दोगुनी होकर लगभग 2.1 अरब तक पहुँच जाएगी। विकसित देशों में वृद्धजन आबादी का चौथाई हिस्सा बन चुके हैं, वहीं विकासशील देशों में भी उनकी संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। लेकिन विडंबना यह है कि इस बढ़ती जनसंख्या के साथ उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक भागीदारी की चुनौतियां भी बढ़ रही हैं।

(ललित गर्ग)

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरुआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है।

संयुक्त राष्ट संघ ने 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिवस का उद्देश्य वृद्धों के अधिकारों, उनकी गरिमा और उनके योगदान को रेखांकित करना है। यह दिन हमें यह सोचने को विवश करता है कि जीवन के इस अंतिम पड़ाव में, जिसे कभी सम्मान और अनुभव का प्रतीक माना जाता था, आज वह उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का पर्याय क्यों बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2030 तक 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग पूरी दुनिया में 1.4 अरब से अधिक हो जाएंगे और 2050 तक यह संख्या दोगुनी होकर लगभग 2.1 अरब तक पहुँच जाएगी। विकसित देशों में वृद्धजन आबादी का चौथाई हिस्सा बन चुके हैं, वहीं विकासशील देशों में भी उनकी संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। लेकिन विडंबना यह है कि इस बढ़ती जनसंख्या के साथ उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक भागीदारी की चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में वृद्धजन पेंशन और हेल्थकेयर से तो सुरक्षित हैं, परंतु वहाँ अकेलेपन और मानसिक अवसाद की समस्या विकराल है। एशिया और अफ्रीका में, जहां परिवार व्यवस्था मजबूत मानी जाती थी, अब संयुक्त परिवार टूटने से वृद्धजन आर्थिक व सामाजिक असुरक्षा से जूझ रहे हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरुआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मज़बूत करने का आह्वान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है। समाज में उनके बहुमूल्य योगदान को मान्यता देना, उनके अधिकारों की रक्षा करना, वृद्धजनों को स्वास्थ्य सेवाएं, देखभाल, सामाजिक सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मज़बूत करना, वृद्धजनों को वैश्विक विकास प्रयासों में शामिल करना और शहरी वातावरण को उनके लिए अधिक समावेशी बनाना आदि इस दिवस को मनाने के उद्देश्य हैं। इस दिवस को मनाते हुए वृद्ध व्यक्तियों की डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक समान पहुँच प्रदान करने के महत्व पर जोर देना और यह सुनिश्चित करना कि सभी आयु वर्गों के लिए समानता को बढ़ावा दिया जाए और वृद्ध व्यक्तियों के मानवाधिकारों का पालन हो आदि बातों पर विशेष बल दिया जाता है।

इस दिवस की 2025 की थीम 'समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज़ को सशक्त बनाना' है, जो वृद्धजनों की आवाज़, अनुभव और ज्ञान को पहचानने तथा उनके अनुभवों के आधार पर समावेशी समाजों के निर्माण पर जोर देती है। यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि वृद्धजन लचीले और समतामूलक समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्नत एवं आदर्श समाज के निर्माण में वृद्धजनों की आवाज़, उनके

दृष्टिकोण और अनुभव को विशेष महत्व है। वृद्धावस्था में कठिनाइयां अनेक रूपों में सामने आती हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से हृदय रोग, मधुमेह, जोड़ों के दर्द और डिमेंशिया जैसी बीमारियाँ उन्हें घेरे रहती हैं, परंतु चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित है। आर्थिक दृष्टि से पेंशन व सामाजिक सुरक्षा योजनाएं हर वृद्धजन तक नहीं पहुँचतीं और ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी दयनीय है। सामाजिक स्तर पर आधुनिक जीवन की दौड़ में वृद्धजन अकेलेपन, उदासी और उपेक्षा से पीड़ित हैं। मानसिक दृष्टि से आत्मसम्मान को ठेस, भूमिका से वंचित होना और बेकारपन का एहसास उन्हें भीतर तक तोड़ देता है।

भारत में वृद्धों की स्थिति अधिक चिन्ताजनक है। जबकि वृद्धजन भारतीय समाज की धरोहर मानी जाती रही हैं, उन्हें अनुभव और ज्ञान का भंडार मानते हैं। इसके बावजूद यदि हम उन्हें उपेक्षित करेंगे तो यह केवल अन्याय ही नहीं, बल्कि सभ्यता एवं संस्कृति की पराजय होगी। वृद्धजन केवल जीवित बोझ नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं। उनका सम्मान करना न केवल हमारा नैतिक कर्तव्य है बल्कि एक बेहतर, संवेदनशील और संतुलित समाज के निर्माण की अनिवार्यता है। भारत जैसे विकसित देश के नागरिकों की औसत आयु 60 वर्ष से अधिक 65 हो रही है। जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के कारण देश में वृद्धजन की संख्या बढ़ रही है, देश में 2011 में 10.38 करोड़ वरिष्ठ नागरिक थे, जिनके 2050 तक बढ़कर 30 करोड़ होने का अनुमान है। अनुमान है, कि 2050 तक हर चौथा भारतीय बुजुर्ग होगा। यह बात भारत के नीति आयोग ने कही है, इसी के कारण बुजुर्गों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

भारत में परंपरागत भारतीय परिवार व्यवस्था में वृद्धजनों को सम्मान, सुरक्षा और निर्णय लेने की अहम भूमिका प्राप्त थी। लेकिन आज शहरीकरण, परमाणु परिवार, प्रवास और उपभोक्तावादी सोच ने उनकी भूमिका को हाशिए पर पहुँचा दिया है। परिवार के भीतर उन्हें आर्थिक बोझ समझा जाने लगा है, पीढ़ीगत टकराव और मूल्यों में बदलाव ने दूरी बढ़ा दी है, नौकरी-पेशा बच्चों के व्यस्त जीवन में धैर्य और देखभाल की कमी स्पष्ट हो रही है और संपत्ति तथा अधिकारों को लेकर तनाव आम हो गया है। इसके परिणामस्वरूप वृद्धजन शारीरिक बीमारियों से जूझते हैं, पर पर्याप्त चिकित्सा नहीं मिलती। वे अकेलेपन और मानसिक अवसाद का शिकार होते हैं, उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है और कभी-कभी घरेलू हिंसा और संपत्ति विवादों में भी उलझना पड़ता है।

प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है।

इन समस्याओं का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए परिवार, समाज और सरकार-सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। परिवार व्यवस्था का पुनर्जीवन जरूरी है, बच्चों में बचपन से ही सेवा, सहानुभूति और सम्मान की भावना विकसित की जाए। सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार हो, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और वृद्धाश्रमों की गुणवत्ता में सुधार किया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में जेरियाट्रिक देखभाल को प्राथमिकता दी जाए, प्रत्येक नगर और गाँव में वृद्धजन के लिए स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हों। मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए, अकेलेपन से लड़ने के लिए सामुदायिक केंद्र, क्लब और वृद्धजन मंच सक्रिय किए जाएँ। वृद्धजनों को डिजिटल तकनीक से जोड़कर उन्हें सामाजिक और पारिवारिक संवाद में सक्रिय बनाया जाए। माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम 2007 का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए और समाज में उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता लाई जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब नया भारत, विकसित भारत और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है, तब यह आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में वृद्धजन उपेक्षित न हों बल्कि उन्हें इसका सक्रिय भागीदार बनाया जाए। न्यूनतम पेंशन की गारंटी दे और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ हर वरिष्ठ नागरिक तक पहुंचाए। साथ ही डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया जैसी योजनाओं से वृद्धजनों को जोड़ा जाए ताकि वे सामाजिक संवाद और आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय बने रहें। वृद्धाश्रमों और डे-केयर सेंटर्स की गुणवत्ता और संख्या बढ़ाई जाए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग केंद्र स्थापित हों और सेवा भाव को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय अभियान चलाए जाएँ। जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तब उसके अनुभव-संपन्न वृद्धजन राष्ट की अमूल्य पूंजी हैं, इसलिए मोदी सरकार को उनके लिए संवेदनशील और समग्र कल्याणकारी नीतियां लागू करनी चाहिए।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कल्पना से परे है भारत में राजनैतिक अस्थिरता

संजीव ठाकुर

नेपाल में पिछले दशकों में राजनीतिक अस्थिरता, दल-बदल, जातीय संघर्ष और आर्थिक असमानताओं ने देश को बार-बार अराजकता की स्थिति में डाल दिया। लगातार बदलती सरकारें और कमजोर प्रशासनिक तंत्र सामाजिक विरोध और आर्थिक अस्थिरता को जन्म देते रहे। इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर विरोध, हिंसा और सार्वजनिक असंतोष देखने को मिला। कुछ विपक्षी दल तथा विदेशी ताकतें भारत के संदर्भ में यह सवाल उठाती रही है कि क्या हमारी परिस्थितियाँ भी ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा कर सकती हैं। ऐसी बात करना कल्पना से परे हैं क्योंकि भारत में एक बेहद मजबूत नेतृत्व पिछले एक दशक से ज्यादा समय से पूरी साक्षमता के साथ देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। इसके अलावा भारत सामरिक तथा आर्थिक रूप से सशक्त शक्तिशाली एवं मजबूत राष्ट है। भारत में राजनीतिक स्थिरता का आधार मजबूत संवैधानिक और संस्थागत ढांचा है। भारतीय संविधान नागरिक अधिकारों की सुरक्षा के साथ-साथ सत्ता के संतुलन और शक्तियों के स्पष्ट विभाजन के माध्यम से राजनीतिक संस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखता है। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता नियमित और निष्पक्ष चुनावों को सुनिश्चित करती है, जबकि न्यायपालिका कानून के पालन और असंतोष की निगरानी के लिए एक स्थिर तंत्र प्रदान करती है। इन संस्थाओं की मजबूती के कारण भारत में सरकारों की अस्थिरता लंबे समय तक नहीं टिकती। सामाजिक और आर्थिक विविधता भारत में अत्यधिक है। भाषाई, जातीय, धार्मिक और सांस्कृतिक विविधताएँ कभी-कभी छोटे-मोटे राज्य स्तरीय तनाव का कारण बन सकती हैं। उदाहरण स्वरूप, किसान आंदोलन, नागरिकता संशोधन कानून के विरोध और क्षेत्रीय आंदोलन यह दिखाते हैं कि असंतोष हमेशा मौजूद रहता है किंतु उसके समाधान तथा सुधारने के लिए मजबूत शासन तंत्र भारत के पास मौजूद है तो यह कोई बड़ी चिंता का विषय नहीं है और भारत का संघीय ढांचा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया इन संघर्षों को नियंत्रित करती हैं। संवैधानिक अधिकार और राज्यों तथा केंद्र के बीच संतुलन व्यापक स्थिरता बनाए रखते हैं। आर्थिक असमानता और बेरोज़गारी विरोध उत्पन्न कर सकती हैं, लेकिन ये आम तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया के भीतर ही सीमित रहते हैं और व्यापक अराजकता का रूप नहीं लेते।

अंतरराष्ट्रीय प्रभाव और भू-राजनीति भी किसी देश की स्थिरता पर असर डाल सकते हैं। नेपाल की अराजकता में पड़ोसी देशों का प्रभाव रहा, लेकिन भारत, एक बड़ा और सशक्त देश होने के नाते, अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और मजबूत सुरक्षा तंत्र के कारण विदेशी हस्तक्षेप से अपेक्षाकृत सुरक्षित है। भारत की सैन्य क्षमता, आंतरिक सुरक्षा तंत्र और कूटनीतिक भूमिका देश की स्थिरता बनाए रखने में निर्णायक हैं। आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भारत की स्थिति भी नेपाल से भिन्न है। भारत की बड़ी अर्थव्यवस्था, रोजगार के अवसर, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ और समृद्धि के प्रयास असंतोष को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। मीडिया, नागरिक समाज और संस्थागत निगरानी तंत्र लोकतंत्र में पारदर्शिता बनाए रखते हैं। इन सभी कारकों के कारण भारत व्यापक रूप से स्थिर बना रहता है और नेपाल जैसी राजनीतिक अराजकता से बचा रहता है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत में नेपाल जैसी अराजकता की संभावना बहुत कम है। मजबूत संवैधानिक ढांचा, स्वतंत्र संस्थाएँ, लोकतांत्रिक प्रक्रिया, संघीय संतुलन और आर्थिक-सामाजिक तंत्र इसे सुरक्षित रखते हैं। हालांकि लोकतंत्र में असंतोष, सामाजिक संघर्ष और आर्थिक दबाव हमेशा संभावित जोखिम बन सकते हैं, पर भारत की स्थिरता का रहस्य यही है कि इन चुनौतियों का प्रबंधन संस्थागत ढांचे और संवैधानिक उपायों के माध्यम से किया जाता है।

भारत में 1947 से अब तक 26 सामान्य चुनाव बिना किसी राष्ट्रीय अस्थिरता के संपन्न हुए हैं। भारत की त्ष्क्क2024 में लगभग 4.5 ट्रिलियन स्ष्ठ तक पहुँच चुकी है। बड़े आर्थिक ढांचे से असंतोष सीमित रहता है। भारत में 22 आधिकारिक भाषाएँ, 2000+ जातियाँ और 7 प्रमुख धर्म हैं। इसका प्रबंधन संघीय और संवैधानिक ढांचे के माध्यम से होता है भारत के 1.4 मिलियन से अधिक सैनिक और व्यापक पुलिस तंत्र स्थिरता बनाए रखते हैं। ऐसी मजबूत स्थिति में भारत में नेपाल जैसी अस्थिरता की कल्पना करना समय जाया करना ही होगा। ऐसे में राजनीतिक अस्थिरता की बात लगभग असंभव बात हैं।

गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्[ायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले।

(ललित गर्ग)

गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं।

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दर्शाता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा।

समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान् विभूतियों-गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज़ को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज़ को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रूरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं। कभी-कभी प्रशंसा नहीं ऐसी गालियां गांधी को ज्यादा पूजनीय बनाती रही हैं। जिस प्रकार गांधी ने कहा था-आप मुझे मार सकते हैं, मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं, पर मेरे विचारों को समाप्त नहीं कर सकते-यह सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दरअसल, अहिंसा को कुचलने की हर कोशिश अहिंसा को और अधिक शक्तिशाली बना देती है। यह हमला गांधी की अमरता का प्रमाण है। हमें इस अवसर को केवल निंदा तक सीमित न रखकर, गांधी के सत्य, प्रेम और सहिष्णुता के संदेश को और व्यापक स्तर पर प्रसारित करना चाहिए। तभी आतंकवादी मानसिकता को वास्तविक और स्थायी जवाब मिलेगा।

गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है। महात्मा के शिष्यों ने, बापू के बेटों ने, संत के अनुयायियों ने और गांधी की पार्टी वालों ने उनको बार-बार बेचा है, उनसे कमाया है, उनके नाम से वोट मांगे हैं, सत्ता प्राप्त की है, सुबह-शाम धोखा दिया है और उनकी चादर से अपने दाग छिपाये हैं।

निकाय की टीम ने किया बस्तर अध्ययन भ्रमण
प्रकृति, संस्कृति एवं परंपरा का किया अवलोकन

दौरे में बस्तर महाराजा से सौजन्य मुलाकात

डोंगरगांव नगर। नगर पंचायत की टीम ने बस्तर क्षेत्र का एक दिवसीय अध्ययन एवं सांस्कृतिक भ्रमण किया। यात्रा से बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहरों व संस्कृति से टीम के सदस्य रूबरू हुए। यात्रा दौरान राजमहल में बस्तर राजा कमलचंद भंजदेव से सौजन्य भेंट कर बस्तर की परंपरा, शासन व्यवस्था व सांस्कृतिक धरोहरों पर विस्तृत चर्चा हुई। निकाय द्वारा आधिकारिक जानकारी मुताबिक नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी के अगुवाई में एवं सीएमओ विनम्र जेमा के मार्गदर्शन में पार्षदगण एवं कर्मचारी दल ने बस्तर के प्रमुख स्थलों का भ्रमण किया। यात्रा की शुरुआत बस्तर के प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात से हुई, जिसे भारत का नियाग्रा कहा जाता है। उपरांत दल ने बारसुर में स्थित ऐतिहासिक गणेश मंदिर और मामा भांजा मंदिर का दर्शन किया। गीदम के आंचलिक बाजार में स्थानीय हस्तशिल्प व जनजातीय संस्कृति का अवलोकन किया। दल ने दंतेवाड़ा में पौराणिक माता दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। तद्पश्चात दल ने तीरथगढ़ जलप्रपात का भ्रमण कर प्राकृतिक सौंदर्यता का अवलोकन लिया। यात्रा के अंत में जगदलपुर राजमहल पहुंचकर बस्तर के राजा कमलचंद भंजदेव से सौजन्य भेंट कर बस्तर की परंपरा, शासन व्यवस्था व सांस्कृतिक धरोहरों पर विस्तृत चर्चा की। भ्रमण दल में पार्षदगण पुरुषोत्तम साहू, मनबोधी पटेल, लीलाराम मंडलोई, कोमल साहू, प्रफुल्ल जैन, लक्ष्मीनारायण सेन, पद्मिनी ठाकुर, निर्मला मालेकर, गायत्री यादव सहित कर्मचारी संतोष ठाकुर, केजन साहू, विरेन्द्र पटेल, वैभव जांगड़े, हर्ष ऊने, हरि मालेकर, निधि सेन व आकाश त्रिपाठी शामिल थे।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन

कवर्धा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कवर्धा, ग्राम तारो (खैरबना) में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 2023-25 एवं वर्ष 2024-25 के उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को राष्ट्रीय व्यवसाय प्रमाण पत्र (एन.टी.सी.) वितरित किए गए। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में के. सी. साहू, निदेशक आरसेटी ग्राम तारो तथा एम. एल. बंजारे, प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था डोंगरगढ़ उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आई.टी.आई. कवर्धा के प्राचार्य द्वारा की गई। अतिथियों ने अपने उदबोधन में प्रशिक्षुओं को सफल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उन्हें तकनीकी कौशल के साथ आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आई.टी.आई. संस्थान उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप कुशल युवाओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

जियो जिंदगी टेंशन फ्री प्रोग्राम की तैयारियां जोर शोर से प्रारम्भ

बेमेतरा। ब्रह्माकुमारीज बेमेतरा द्वारा मंगलवार 28 अक्टूबर से बुधवार 5 नवंबर तक शाम 7:00 बजे से 8:30 बजे तक 9 दिवसीय जियो जिंदगी टेंशन फ्री हैप्पीनेस प्रोग्राम मंडी प्रांगण में निःशुल्क आयोजित होने जा रहा है, जिसकी तैयारियां जोर शोर से प्रारम्भ हो चुकी है, खुशियों का उत्सव के इस प्रोग्राम से समस्त बेमेतरा जिला वासियों को प्रतिदिन उत्सव के माहौल में ढेरों खुशियों की अनुभूति होने वाली है। इस प्रोग्राम में सभी टेंशन को गुड बाय कहने वाले हैं। सभी नगरवासियों को तनावमुक्त जीवन की औषधि आध्यात्मिक सहारा के रूप में मिलने वाला है। इस आध्यात्मिक जीवन शैली को अपनाने से डायबिटीज, ब्लडप्रेशर, डिप्रेशन, हृदय रोग एवं तनाव दूर होने वाले हैं। इस हैप्पीनेस प्रोग्राम की मुख्य

वक्ता के रूप में प्रख्यात तनावमुक्ति विशेषज्ञा कम्पनी सेक्रेटरी ब्रह्माकुमारी पूनम बहन (सी.एस.) इंदौर मध्यप्रदेश से आपके शहर बेमेतरा में आगमन होने जा रहा है, खुशियों का उत्सव कार्यक्रम के लिए सभी बेमेतरा जिला वासी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बेमेतरा सेवा केंद्र प्रभारी बी के शशि दीदी ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रथम दिवस में चिंता रहित जीवन शैली, द्वितीय दिवस में आओ करें खुशियों से मुलाकात (खुशियों का उत्सव), तृतीय दिवस में स्वयं की पहचान (आत्म ज्ञान), चतुर्थ दिवस में गहन ईश्वरीय अनुभूति (आनंद उत्सव), पंचम दिवस में सुखी जीवन का रहस्य (परिवर्तन उत्सव), छठवें दिवस में मेडिटेशन द्वारा सर्व समस्याओं का समाधान (ध्यान उत्सव), सातवें दिवस में अलौकिक जन्म उत्सव, आठवें दिवस में वर्ल्ड ड्रामा का रहस्य (समय की पहचान) (महा विजय उत्सव) और इस हैप्पीनेस प्रोग्राम के समापन नौवें दिवस में परमात्मा के महावाक्य मुरली गुड बाय टेंशन भव्य उत्सव से होने जा रहा है। जियो जिंदगी टेंशन फ्री हैप्पीनेस निः शुल्क प्रोग्राम मंडी प्रांगण में भाग लेने के लिए सभी बेमेतरा जिला वासी को आगाह किया हैं।

शरद पूर्णिमा पर कविगोष्ठी के आयोजन में कवियों ने पढ़ी समसामयिक रचनाएं

बेमेतरा। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर शासकीय नवीन प्राथमिक विद्यालय भवन वार्ड नंबर 11 बेमेतरा के कक्ष में संध्या प्रांतीय छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति जिला इकाई बेमेतरा के कवियों द्वारा साहित्यिक काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्रांतीय महासचिव हास्य-व्यंग्य कवि रामानंद त्रिपाठी व उपस्थित कवियों द्वारा मां सरस्वती मैंया की पूजा आराधना कर गोष्ठी आरंभ हुआ, कवित्री व गायिका द्वय नीता वर्मा व नीधि वर्मा ने सस्वर स्वरचित सरस्वती वंदना पेश कर माहौल बनाई, पश्चात कवि मनोज पाटिल मणि ने अपने चिर-परिचित अंदाज में शरद पूर्णिमा पर आधारित गीत प्रस्तुत कर समां बांधा, भिखमपुर नवागढ़ से पधारे युवा कवि राजीव मधुकर ने ग्रामीण अंचलों के जीवन यापन का वर्णन करते कविता व गीत पेश किया, उभरते युवा कवि ऋषभ त्रिपाठी ने श्रृंगार रस में कविताएं पढ़ी, बलदाऊ साहू विलक्षण ने समसामयिक रचनाएं प्रस्तुत किया। हास्य-व्यंग्य कवि रामानंद त्रिपाठी द्वारा हास्य का धमाका पेश कर सभी उपस्थित जनों को खूब हंसाया। वहीं कार्यक्रम का संचालन करते गीतकार डॉ गोकुल बंजारे चंदन द्वारा छोटे परिवार की महत्ता पर आधारित गीत प्रस्तुत कर वाहवाही बटोरी। साहित्य प्रेमी दुर्गाशंकर चतुर्वेदी ने शरद पूर्णिमा की मध्यरात्रि चंद्रमा द्वारा अमृत बरसाने वाली रात्रि बताया गया। कार्यक्रम का संचालन कवि गीतकार गोकुल बंजारे चंदन ने किया।

2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खांसी का सिरप देने पर लगा प्रतिबंध
सभी शासकीय एवं निजी पंजीकृत स्वास्थ्य संस्थानों को सीएमएचओ ने दिए निर्देश

बेमेतरा। स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी प्रकार की खांसी की सिरप या सर्दी-जुकाम की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। साथ ही, यह दवाएं सामान्यतः 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए भी अनुशंसित नहीं हैं। यह कदम शिशुओं को संभावित दुष्प्रभावों से बचाने और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उददेश्य से उठाया गया है। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग का एडवाइजरी जारी होते ही बेमेतरा स्वास्थ्य विभाग ने तत्परता से कार्यवाही करते हुए जिला के सिविल सर्जनों एवं सभी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। सभी शासकीय और निजी स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि भारत सरकार की इस गाइडलाइन का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। साथ ही आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा इस संबंध में एक उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सभी जिलास्तरीय विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि खांसी या सर्दी की दवाओं का उपयोग केवल

चिकित्सकीय परामर्श पर आधारित होना चाहिए, तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। विशेषज्ञों के अनुसार अधिकांश मामलों में बच्चों में खांसी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारियाँ अपने आप ठीक हो जाती हैं और इसके लिए दवा देना आवश्यक नहीं होता। इसलिए आम जनता को भी डॉक्टर की सलाह के बिना बच्चों को दवाएं न देने के प्रति जागरूक किया जाएगा। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन (सीजीएमएससी) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिन दो कंपनियों के विरुद्ध अन्य राज्यों में कार्रवाई की गई है, उनकी राज्य में किसी भी प्रकार की सरकारी आपूर्ति नहीं रही है। ये कंपनियाँ सीजीएमएससी के डेटाबेस में पंजीकृत भी नहीं हैं। यह तथ्य राज्य में सरकारी स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शिता और सतर्कता की पुष्टि करता है। भारत सरकार के स्वास्थ्य सचिव द्वारा 5 अक्टूबर को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के पश्चात, छत्तीसगढ़ में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने भी निगरानी और कार्रवाई को तेज कर दिया है। राज्यभर में औषध निर्माण इकाइयों का जोखिम-आधारित निरीक्षण करने हेतु औषधि निरीक्षकों के दल गठित किए गए हैं। प्रदेश के सभी सहायक औषधि नियंत्रकों और औषधि निरीक्षकों को पत्र जारी कर निर्देशित किया गया है कि वे सभी औषधि विक्रय संस्थानों का तत्काल निरीक्षण करें, ताकि एडवाइजरी के उल्लंघन की कोई संभावना न रहे। इसके साथ ही निजी फार्मेसियों का आकस्मिक निरीक्षण भी किया जा रहा है। इन कार्यवाहियों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बच्चों के संदर्भ में किसी भी प्रकार की दवाओं का अनुचित या असावधानीपूर्वक उपयोग पूर्णतः बंद हो। स्वास्थ्य विभाग बेमेतरा के सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर द्वारा अभिभावकों से अनुरोध किया गया है कि वे बिना चिकित्सकीय परामर्श के अपने बच्चों को कोई भी दवा न दें।

ओडिशा फॉरेस्ट रेंजर्स प्रशिक्षुओं का कवर्धा अध्ययन भ्रमण
शहद प्रसंस्करण व वन्यजीव संरक्षण के मॉडल से प्रभावित हुए अधिकारी

कवर्धा। वन प्रबंधन और आजीविका आधारित नवाचारों के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ लगातार उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। इसी कड़ी में ओडिशा फॉरेस्ट रेंजर्स कॉलेज, अंगुल के 40 प्रशिक्षु अधिकारी वनमंडल कवर्धा के अध्ययन भ्रमण पर पहुंचे, जहां उन्होंने बोड़ला स्थित शहद प्रसंस्करण केंद्र का अवलोकन किया। डीसीएफ अमूल्य कुमार परिडा के नेतृत्व में पहुंचे प्रशिक्षुओं को वनमंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल, उपवनमंडलाधिकारी अभिनव केसरवानी तथा वन परिक्षेत्राधिकारी आकाश यादव, गजेंद्र कुमार और विक्रांत सिंह कंवर ने शहद प्रसंस्करण की तकनीकी प्रक्रिया, उत्पादन से विपणन तक की श्रृंखला और वन्यजीव गलियारे की अवधारणा पर विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने

बताया कि शहद प्रसंस्करण केंद्र जैसे उपक्रम स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता के संवर्धन में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यह मॉडल सतत वन प्रबंधन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण बन चुका है। प्रशिक्षुओं ने केंद्र की कार्यप्रणाली और स्थानीय वन उत्पादों के मूल्य संवर्धन को सराहते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के ये प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से प्रेरणादायक हैं, बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत करते हैं।

बेमेतरा वार्ड नं 16 में लगा नि: शुल्क जांच का शिविर

बेमेतरा। बेमेतरा नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 16 में पार्षद नीतू कोठारी सान्निध्य में निःशुल्क आंखों की जांच डॉ के माध्यम से की गई। जिसमें नेत्र सहायक डॉ. चाकेन्द्र वर्मा एवं सहयोगी डॉ. पूजा सिन्हा के द्वारा जांच की गई। शिविर में 60 लोग लाभान्वित हुए। जिसमें 10 व्यक्तियों की जांच में मोतियाबिंद पाया गया 35 लोगों को निःशुल्क चश्मे का वितरण किया गया एवं सभी को निः शुल्क दवाइयो का वितरण किया गया। इस अवसर पर विनोद शर्मा, लता पांडे, पूर्णिमा मानिकपुरी, तारामति साहू, विनोद सोनी, अजय सोनी, एवं वार्डवासी लाभान्वित हुये। इस शिविर में गजाधर साहू, सूरज साहू, डॉ, डामिन वर्मा भानु साहू, मितानिन चमेली साहू, लेखनी पाण्डेय, फुलेश्वरी साहू विशेष सहयोग रहा। आंखों की जांच निःशुल्क शिविर 8 अक्टूबर दिन बुधवार को भैरव मंदिर वार्ड नं 16 बेमेतरा में सुबह 10 बजे से आयोजित रहेगा।

जन्मदिन पर गणेश ने मुक्तिधाम में किया पौधरोपण

बेमेतरा। पर्यावरण प्रेमी संगठन जिला बेमेतरा के ग्राम कठिया के संगठन जिला सचिव गणेश कुमार साहू ने अपने जन्मदिन पर गुलमोहर, चन्दन, शीशम, पीपल के पौधे मुक्तिधाम लगाने गये। इस अवसर पर विशेष अतिथि रूप में ग्राम तुमा पर्यावरण प्रेमी संगठन अध्यक्ष मनीष साहू सचिव इंन्दजीत साहू गणेश कुमार साहू के द्वारा ग्राम तुमा संगठन को शिल्ड देकर सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण साहू, गणेश सेठ, प्रकाश साहू, चम्मच निषाद, अक्षय साहू, रामकृष्ण सेन, मुकेश साहू, किसन साहू सुनील बल्लु, राजेन्द्र निषाद, केदार, संतोष निषाद उपस्थित थे।

वन्य प्राणी सप्ताह पर आत्मानंद स्कूल में 'मानव और वन्य प्राणी सह-अस्तित्व' पर कार्यशाला

कवर्धा। वन्य प्राणी सप्ताह 2025 (02 से 08 अक्टूबर) के अवसर पर आत्मानंद स्कूल, कवर्धा में मानव एवं वन्य प्राणी सह-अस्तित्व विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वन मंडल अधिकारी श्री निखिल अग्रवाल के निर्देशन एवं उप वनमंडलाधिकारी कवर्धा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यशाला में परिक्षेत्र अधिकारी कवर्धा और उनकी टीम ने विद्यार्थियों को वन्य प्राणियों के संरक्षण, उनके पारिस्थितिकी तंत्र में महत्व और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के तरीकों के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों को यह भी समझाया गया कि वन्य जीवों का संरक्षण सिर्फ वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों जैसे पोस्टर निर्माण, क्विज़ प्रतियोगिता, और संवाद सत्र में भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने न केवल वन्य जीवन के महत्व को समझा, बल्कि यह भी सीखा कि कैसे छोटे-छोटे प्रयासों से मानव और वन्य प्राणियों के बीच सह-अस्तित्व को बढ़ावा दिया जा सकता है। वन्य प्राणी सप्ताह के इस कार्यक्रम का उददेश्य बच्चों में संवेदनशीलता, पर्यावरणीय जागरूकता और सह-अस्तित्व की भावना को विकसित करना रहा। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने वन्य जीवों के संरक्षण का संकल्प लिया और समाज में इस संदेश को फैलाने की अपनी प्रतिबद्धता जताई। विशेषज्ञों का कहना है कि इस प्रकार के कार्यक्रम नई पीढ़ी में प्रकृति और वन्य जीवन के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत बनाते हैं और लंबे समय में सतत संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

हरित ऊर्जा अपनाकर गुप्ता ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जगमगाया गुप्ता का घर

कवर्धा। पर्यावरण की गुणवत्ता में गिरावट, बढ़ते प्रदूषण और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता ने आज के समय में हरित ऊर्जा की आवश्यकता को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। ऐसे दौर में केंद्र सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना न केवल नागरिकों को ऊर्जा आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ी पहल सिद्ध हो रही है। इसी योजना से प्रेरित होकर कवर्धा की कालिका नगर निवासी माधुरी गुप्ता ने अपने घर को हरित ऊर्जा का उदाहरण बना दिया है। उन्होंने इस योजना का लाभ उठाकर न केवल अपने बिजली खर्च को शून्य किया, बल्कि आय का नया स्रोत भी शुरू किया है। गुप्ता बताती हैं कि पहले उनके घर में हर माह 2000 से 2500 तक का बिजली बिल आता था। एसी और अन्य उपकरणों के चलते खपत अधिक होने से बिल लगातार बढ़ता जा रहा था। खपत कम करने के प्रयासों के बावजूद कोई विशेष फर्क नहीं पड़ा, जिससे वे चिंतित थीं। तभी उन्हें

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिली। उन्होंने तुरंत आवेदन कर 5 किलोवाट का सोलर पैनल अपने घर की छत पर लगवाया। इसकी कुल लागत 2.90 लाख रही, जिसमें से 78,000 की राशि सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में सीधे उनके खाते में भेजी गई। गुप्ता को बिजली बिल चुकाने की जरूरत नहीं पड़ती। बल्कि वे अतिरिक्त बिजली सरकार को बेचकर आय अर्जित कर रही हैं। इस कदम से उन्होंने न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दिया है। गुप्ता कहती हैं कि यह योजना उनके जीवन में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की एक नई किरण लेकर आई है। उन्होंने अपने आसपास के लोगों को भी इस योजना से जुड़ने और हरित ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने आम नागरिकों के जीवन में स्थायी परिवर्तन लाने का मार्ग प्रशस्त किया है। माधुरी गुप्ता की यह सफलता कहानी इस बात का सशक्त प्रमाण है कि जब हर घर सूरज की किरणों से ऊर्जा पाएगा, तभी सच्चे अर्थों में भारत ऊर्जा आत्मनिर्भर और पर्यावरण अनुकूल बनेगा।

सौर ऊर्जा अपनाने पर 108000 रूपए तक की सरकारी सहायता

कबीरधाम जिले के अधीक्षण अभियंता रंजीत घोष ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के माध्यम से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं के घरों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाने पर केंद्रीय वित्तीय सहायता के साथ-साथ राज्य की ओर से अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी दी जाएगी, जो सोलर प्लांट की क्षमता (1) किलोवाट, 2 किलोवाट, 3 किलोवाट और उससे अधिक) के आधार पर अलग-अलग होगी। उदाहरण के लिए, 1 किलोवाट प्लांट के लिए कुल 45,000 रूपए, (30,000 रूपए केंद्रीय और 15,000 रूपए राज्य सहायता) जबकि 3 किलोवाट या उससे अधिक के प्लांट के लिए 1,08,000 रूपए (78,000 रूपए केंद्रीय और 30,000 रूपए राज्य सहायता) की मदद मिलेगी। हाउसिंग सोसाइटी/रेसिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन के लिए भी इसी तरह की सहायता प्रस्तावित की गई है। यह अनुदान राशि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड को अग्रिम रूप से मिलेगी और वही इसे लाभार्थियों को देगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025-26 में 60,000 और 2026-27 में 70,000 सोलर पावर प्लांट की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। इससे वित्तीय वर्ष 2025-26 में 180 करोड़ एवं 2026-27 में 210 करोड़ रूपए का भार आएगा। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 1 से 3 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट लगाने पर 45 हजार से 108000 रूपए तक की सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में दी जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से क्रियान्वित इस योजना में ग्रुप हाउसिंग सोसायटी एवं निवासी

डिप्टी कलेक्टर रूचि शार्दुल आंतरिक शिकायत समिति के अध्यक्ष नियुक्त

कवर्धा। महिला एवं बाल विकास विभाग छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश पर, कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले लैंगिक उत्पीड़न (यानी यौन शोषण) की रोकथाम और शिकायतों के समाधान के लिए लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम-2013 के तहत जिला कबीरधाम में आंतरिक शिकायत समिति बनाई गई है। पूर्व आदेश में संशोधन करते हुए इस समिति की अध्यक्ष पद पर डिप्टी कलेक्टर रूचि शार्दुल को नियुक्त किया गया है। यह समिति जिले में कार्यरत महिला कर्मचारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण देने, किसी भी प्रकार की शिकायत को सुनने और उचित समाधान करने का काम करेगी।

ग्राम खैरवार से बोड़तरा मार्ग के नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू, स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य होगा प्रारंभ

कवर्धा। कबीरधाम जिले के विकासखंड पंडरिया अंतर्गत ग्राम खैरवार से बोड़तरा तक सड़क के नवीनीकरण कार्य के लिए शासन स्तर पर प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। ग्रामवासियों की लंबे समय से उठाई जा रही मांग के अनुसार सड़क नवीनीकरण के लिए प्राक्कलन तैयार कर परियोजना मंडल दुर्ग को भेजा गया है। यह प्रस्ताव 134.02 लाख रूपए की लागत से स्वीकृति के लिए प्रेषित किया गया है। स्वीकृति प्राप्त होते ही निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण विकास संभाग कवर्धा सुरेन्द्र कुमार पटेल ने बताया कि वर्ष 2017-18 में खैरवार से बोड़तरा सड़क का निर्माण कार्य पर्यावरण एवं अधोसंरचना विकास निधि मद अंतर्गत स्वीकृत किया गया था, जिसे 10 दिसंबर 2019 को पूर्ण किया गया था। उन्होंने बताया कि पांच वर्ष की संधारण अवधि पूर्ण होने के पश्चात ग्रामवासियों की मांग पर सड़क के नवीनीकरण के लिए नया प्राक्कलन तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजा गया है। इस पहल से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और स्थानीय विकास को नई गति प्राप्त होगी।

संक्षिप्त समाचार

आईटीआई कोनी में अप्रेंटिसशिप मेला 13 अक्टूबर को

बिलासपुर। आईटीआई कोनी के सीओई भवन मे 13 अक्टूबर को सवेरे 10 बजे से अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा। जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं से विद्युतकार, फिटर, मैकेनिक डीजल, मशीनिष्ट, वेल्डर, टर्नर एवं कोपा के उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी अपने समस्त दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर इस मेले में भाग ले सकते है। अधिक जानकारी के लिए आदर्श आद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोनी बिलासपुर में कार्यालयीन समय पर संपर्क कर सकतें हैं।

सहकारी समिति की मतदाता सूची पर दावा आपत्ति 15 अक्टूबर तक

बिलासपुर। खारंग जलाशय निषाद मछुवा सहकारी समिति मर्यादित सीस की सदस्यता सूची का प्रथम प्रकाशन 8 अक्टूबर को कर दिया गया है तथा सदस्यता सूची पर दावा-आपत्ति 15 अक्टूबर 2025 तक आमंत्रित किया गया है। जारी सूची कार्यालय के नोटिस बोर्ड, उप पंजीयक सहकारी संस्थायें बिलासपुर के कार्यालय, विकासखण्ड कोटा के कार्यालय, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या शाखा रतनपुर के सूचना पटल पर चस्पा कर दिया गया है। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निराकरण 16 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे किया जाएगा।

दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरुस्कार के लिए आवेदन 10 अक्टूबर तक

बिलासपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष 3 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर सर्वोत्तम दिव्यांग कर्मचारी (दृष्टि बाधित, श्रवण बाधित, अस्थि बाधित, प्रमष्तिक अंगाघात) कुल 04 श्रेणी, दृष्टि बाधित, श्रवण बाधित, अस्थि बाधित, प्रमस्तिष्क अंगाघात, बहुदिव्यांग दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य करने वाली स्वैच्छिक संस्थाओं कुल 04 श्रेणी, नियोक्ताओं के अतिरिक्त निःशक्तता के क्षेत्र में कार्य कर रही सर्वोत्तम जिला संवर्ग को दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरुस्कार से अलंकृत किया जाता है।इसी अनुक्रम में इस वर्ष भी दिव्यांगजन राज्य स्तरीय पुरुस्कार प्रदाय किया जाएगा। दिव्यांगजनों के क्षेत्र में किये गये कार्यों का विस्तृत विवरण के साथ वर्ष 2025 हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन दो प्रतियों में संयुक्त संचालक, समाज कल्याण विभाग, पुरानी कंपोजिट बिल्डिंग, कमरा नं. 04 बिलासपुर में 10 अक्टूबर 2025 तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं एवं आवेदन पत्र के प्रारूप एवं मापदण्ड हेतु उपस्थित होकर अवलोकन कर सकते हैं।

पेंशन योजनाओं के हितग्राही शीघ्र कराएं मोबाइल एप से सत्यापन

बिलासपुर। भारत सरकार ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सामाजिक सहायता कार्यक्रम अन्तर्गत संचालित पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का सत्यापन के लिये मोबाईल एप ''बेनिफिशियरी सत्यापन ऐप'' तैयार कराया गया है। जिसके माध्यम से प्रथम चरण में केन्द्रीय पेंशन योजनाओं-इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांगजनो का मोबाइल एप के माध्यम से सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। किन्तु अब तक पेंशनधारियों द्वारा सत्यापन का कार्य नहीं कराया गया है। ऐसे केन्द्रीय पेंशनधारी योजनाओं के हितग्राही का पेंशन वितरण प्रभावित हो सकता है। अत: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन के हितग्राही अपना सत्यापन कार्य ग्राम पंचायत के हितग्राही अपनी-अपनी जनपद पंचायत में एवं नगरीय निकाय अपने नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत में मोबाइल एप के माध्यम से करा लेंवे ताकि आगामी माह से आपकी पेंशन राशि प्रभावित न हो।

एक की मौत, चार घायल, लापरवाह प्रशासन पर फूटा लोगों का गुस्सा

बिलासपुर। क्षेत्र में एक सांड के आतंक ने स्थानीय लोगों की नींद उड़ा दी है। बीते दिन इस बेकाबू सांड ने राह चलते पांच लोगों पर हमला कर दिया, जिसमें एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए हैं। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।स्थानीय निवासियों का कहना है कि सांड की बढ़ती आक्रामकता को लेकर कई बार प्रशासन और नगर निगम को शिकायत की गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने आरोप लगाया है कि जिम्मेदारों की लापरवाही की वजह से अब आम लोगों की जान खतरे में पड़ गई है। क्षेत्रवासी मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द सांड को पकड़कर इलाके को सुरक्षित किया जाए, वरना किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए, तो हालात और भी बिगड़ सकते हैं। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की, तो वे उग्र प्रदर्शन के लिए मजबूर होंगे।

सफलता की कहानी

महतारी वंदन योजना : दीपावली के पहले मिली राशि ने त्यौहार के उत्साह को किया दुगुना...

■ कोटा की उर्वशी और सुशीला ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

बिलासपुर। जिले के कोटा ब्लॉक के आदिवासी अंचलों की महिलाएं शासन की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होकर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं वहीं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना ने ज़रूरतमन्द महिलाओं को भी बड़ा आर्थिक संबल दिया है। योजना से उनके जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ है। दीपावली के पहले योजना की 20 वीं किश्त मिलने से महिलाओं में पर्व का उत्साह दुगुना हो गया है। कोटा के सुदूर गांव की निवासी महिलाओं ने संवेदनशील योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है। कोटा ब्लॉक के विचारपुर पंचायत के आश्रित ग्राम जुरेली की सुशीला बाई पहले अपने परिवार की रोज़मर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करती थीं। घर की आय सीमित होने के कारण तीन बच्चों के परिवार में अक्सर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने बताया कि जब से उन्हें महतारी वंदन योजना से हर माह 1000 रूपए की राशि मिलने लगी तब से उन्हें राहत मिली है। सुशीला कहती हैं कि अब मुझे महीने की शुरुआत में ही राहत महसूस होती है क्योंकि राशन के कुछ खर्चे ,बच्चों की जरूरतें और घर की छोटी-मोटी चीजें आसानी से अब महतारी

वंदन से मिलने वाली राशि से पूरी हो जाती हैं। दशहरा दिवाली पर्व के पहले मिली यह राशि हमारे लिए खुशियों की सौगात की तरह है। इसी तरह ग्राम सिलपहरी की श्रीमती उर्वशी भानू कहती है कि वे स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने परिवार की आय में सहयोग देती हैं लेकिन फिर भी घर के खर्च पूरे करना आसान नहीं था। महतारी वंदन योजना से हर माह मिलने वाली सहायता राशि ने उन्हें आर्थिक रूप से और मजबूत किया है। उर्वशी कहती हैं यह राशि मेरे लिए किसी उपहार से कम नही' इससे मैं अपनी जरूरतों के साथ बच्चों की पढ़ाई की छोटी छोटी जरूरतों को भी पूरा कर पाती हूँ। उर्वशी खुशी से कहती है कि मुख्यमंत्री जी ने हम गरीब महिलाओं की सच में सुध ली है जिसके लिए हम उनके आभारी है।

गर्भवती माताओं को स्वास्थ्य सलाह देने कॉल सेन्टर की होगी स्थापना:कलेक्टर

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दिए निर्देश

बिलासपुर। गर्भवती माताओं को स्वास्थ्य संबंधी सलाह देने के लिए सीएमएचओ कार्यालय में जिला स्तरीय कॉल सेन्टर स्थापित किया जायेगा। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिला स्तरीय स्वास्थ्य समिति की बैठक में इस आशय के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षित प्रसव कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वास्थ्य विभाग के नीचे से लेकर ऊपर तक पूरा अमला इस विषय को लेकर बेहद संवेदनशील होकर काम करें। बैठक में नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, सहायक कलेक्टर अरविन्थ कुमारन डी, सीएमएचओ डॉ.शुभा गढ़ेवाल, डीपीओ सुरेश सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के मैदानी से लेकर जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने गर्भवती माताओं के पंजीयन में ढिलाई बरतने पर बीएमओ एवं बीपीएम को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि एक भी महिला गर्भवती होने के उपरांत अपंजीकृत नहीं होने चाहिए। पंजीयन होने के उपरांत ही उन्हें सभी जरूरी टीका, प्रसव आदि सुविधाएं मिलना सुनिश्चित होती हैं। उन्होंने स्वस्थ नारी, सुरक्षित परिवार अभियान को आगे भी जारी रखने के निर्देश दिए। इस अभियान के अंतर्गत चिन्हित महिलाओं के आगे उपचार की कार्य-योजना पर भी चर्चा की।

रजत जयंती महोत्सव केन्द्रीय जेल में रक्तदान शिविर आयोजित की...

बिलासपुर। केन्द्रीय जेल में छत्तीसगढ़ में 3 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2025 तक छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण की रजत जयंती के अवसर पर प्रतिदिन जेल सुधारात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में केन्द्रीय जेल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सिम्स अस्पताल से ब्लड सेंटर स्टाफसे डॉ मनोज क्षत्रिय, डॉ असीम आनंद मसीह, श्री विवेक कुमार शर्मा, श्री किशोर सिदार, श्री सुमन गिरी, श्रीमती कौशल्या पात्रे, श्रीमती आँचल शास्त्री, श्री अजय कुमार, श्री आनंद अग्निहोत्री, श्री सुरेश वर्मा, एवं रेडक्रास सोसायटी बिलासपुर से श्री सौरभ सक्सेना, श्री सुशील राजपूत, अन्नू पटेल, लेमा देवांगन, आरती गुप्ता उपस्थित हुए। जेल स्टाफ ने काफी उत्साह के साथ रक्तदान शिविर में शामिल होकर रक्तदान किया गया। इसके अलावा बंदी भाइयों के द्वारा शहीदों के नाम कार्यक्रम में देशभक्ति गीतों के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्री खोमेश मंडावी जेल अधीक्षक, श्रीमती कोकिला वर्मा, प्रभारी उप जेल अधीक्षक, श्री रामपाल सिंह कंवर, परिवीक्षा एवं कल्याण अधिकारी तथा अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार छात्र को कुचला मौके पर हुई मौत

बिलासपुर। बिलासपुर के सीपत थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जिसमें एक 19 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। हादसा सोमवार 6 अक्टूबर को नवाडीह चौक के पास तब हुआ, जब तेज रफ्तार कोयला लोड ट्रेलर ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान खिलेश चंद्राकर के रूप में हुई है, जो अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए 12वीं कक्षा में था। जानकारी के अनुसार, खिलेश अपने रिश्तेदार के यहां दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने अकलतरा गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह बाइक से वापस अपने गांव लौट रहा था। रास्ते में मोबाइल पर मैप देखकर वह गलत रास्ते पर चल पड़ा और सीपत के बजाय नवाडीह चौक पहुंच गया। इसी दौरान बलौदा की ओर से आ रहे ट्रेलर ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मारी। हादसे के बाद युवक ट्रेलर के पहिए के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई और उसकी लाश गंभीर रूप से क्षत-विक्षत हो गई। खिलेश अपने घर का इकलौता पुत्र था। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और मृतक के शव को सड़क से हटाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मर्चुरी में सुरक्षित रखवाया। मामले की जांच सीपत थाना पुलिस कर रही है।

स्वच्छ भारत मिशन राज्य सलाहकार ने जिले में स्वच्छता कार्यों का किया गया निरीक्षण..

■ स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने की अपील

■ उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि गांव को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रत्येक परिवार की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है

बिलासपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की राज्य सलाहकार ने जिले के विभिन्न गांवों का दौरा कर स्वच्छता से जुड़े कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। मिशन की राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने तखतपुर के विभिन्न गांवों में स्वच्छता कार्यों, शौचालय निर्माण व अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने की अपील की और साफ रहोगे, स्वस्थ रहोगे का संदेश दिया। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने आज तखतपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत भरनी, चोरभट्टी खुर्द, पोड़ीभरनी, निरतु एवं घुटकु का दौरा किया। उन्होंने इन ग्राम पंचायतों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों तथा गांवों में चल रहे कचरा संग्रहण कार्यों का गहन निरीक्षण किया और स्वच्छाग्राहियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता मिशन केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि हर नागरिक का दायित्व होना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि गांव को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रत्येक परिवार की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने गांव-गांव में घर-घर कचरा संग्रहण की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। स्वच्छाग्राही समूहों के सदस्यों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वे लोगों को कचरा पृथक्करण (गीला व सूखा कचरा अलग-अलग रखने) की जानकारी दें, ताकि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्य प्रभावी रूप से संचालित हो सके। राज्य सलाहकार ने ग्राम पंचायतों के सरपंचों और सचिवों को निर्देशित किया कि जो व्यक्ति सार्वजनिक स्थलों या नालियों में कचरा फेंकते हैं, उन्हें पहले नम्रता से समझाया जाए। यदि चेतावनी के बाद भी वे सुधार नहीं करते तो उन पर जुर्माने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कचरा फेंकने वालों की जानकारी देने वालों को प्रोत्साहन स्वरूप कुछ राशि देने की भी व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित हो। श्रीमती सिंह ने ग्रामीणों से अपील की कि स्वच्छता को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और 'स्वच्छ गांव, स्वस्थ गांव' के संकल्प को साकार करें। उन्होंने कहा कि यदि सभी मिलकर प्रयास करें तो हर गांव स्वच्छता के क्षेत्र में उदाहरण बन सकता है।इस अवसर पर जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत की टीम, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, स्वच्छाग्राही, ग्रामीणजन एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के नाम पर पुलिस ने मांगे 50 हजार

■ एनटीपीसी कर्मचारी ने डिप्रेशन में पी लिया जहर, व्यवसायी ने भी लगाया वसूली का आरोप

बिलासपुर। सीपत पुलिस पर एनटीपीसी कर्मी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप लगाकर पुलिस ने 50 हजार रुपये की डिमांड कर धमकी दी। डर से उसने घर पहुंचकर जहर पी लिया। एनटीपीसी कर्मी को इलाज के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कर्मचारी की पत्नी ने मामले की शिकायत एसएसपी से की है, जिस पर जांच की जा रही है। वहीं पुलिस पर एक व्यापारी की गाड़ी को 24 हजार रुपये लेकर छोड़ने और फिर दोबारा कार्रवाई करने का आरोप भी लगा है। जिस पर व्यापारी ने शिकायत कर दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है। दोनों मामला सीपत थाने का है। सीपत के उज्जवल नगर एनटीपीसी कॉलोनी में रहने वाले धीरेंद्र मंजारे, एनटीपीसी के एचआर विभाग में काम करते हैं। उनकी पत्नी रामेश्वरी ने बताया कि रविवार को धीरेंद्र शराब लेने के लिए शराब दुकान गए थे। शराब लेकर निकलते समय, सीपत थाने के कुछ जवानों ने उन्हें पकड़ लिया और थाना ले जाकर उनकी गाड़ी को जब्त कर दिया। पत्नी के मुताबिक, थाने में धीरेंद्र से 50 हजार रुपये की मांग की गई। रुपये नहीं मिलने पर उनके खिलाफकार्रवाई की धमकी दी गई। धीरेंद्र पुलिस की धमकी से डर गए। उन्हें पैसे लाकर देने के लिए कहा गया, तो कर्मचारी थाने से अपने घर जाने के लिए निकले और रास्ते में जहर पी लिया। इसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी अपनी पत्नी को दी। तब रामेश्वरी ने पति की तलाश कर उन्हें एनटीपीसी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद अपोलो रेफर कर दिया गया। अपोलो में भर्ती कर धीरेंद्र का इलाज किया जा रहा है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। पत्नी ने मामले की शिकायत एसएसपी से करते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अवैध शराब बेचने वाला पकड़ाया

बिलासपुर)। जिले की चौकी बेलगहना थाना कोटा पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से अंग्रेजी एवं देशी शराब जब्त किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 06.10.2025 को जरिये मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम बेलगहना में हिमांशु गुप्ता अपने घर के बगल मे टिन शेड के निचे जमीन मे छुपाकर अंग्रेजी व देशी शराब बिक्री करने हेतु रखा है टीम गठित कर ग्राम बेलगहना में रेड कार्यवाही करते हुये आरोपी हिमांशु गुप्ता के कब्जे से 29 पाव जम्मू अंग्रेजी शराब, 24 पाव गोवा अंग्रेजी शराब, 24 पाव देशी शराब, 04 पाव वाइट चीफ अंग्रेजी शराब, 07 पाव मूड ऑफ़ अंग्रेजी शराब, कुल 15.840 बल्क लीटर शराब कुल कीमती 10280 रू को जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट की कार्यवाही करते हुये आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया।

झोलाछाप डॉक्टर के इलाज ने ली मासूम की जान,परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

बिलासपुर। मध्यप्रदेश में कफसिरप से बच्चों की मौत की खबर के बाद अब छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जिले के सरगांव थाना क्षेत्र के धरदई गांव में एक 8 वर्षीय मासूम बच्चे की मौत कथित तौर पर झोलाछाप डॉक्टर के इलाज के चलते हो गई। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर द्वारा लगाए गए इंजेक्शन के बाद ही बच्चे की तबीयत बिगड़ी और अंतत: उसकी जान चली गई।मृतक बच्चे की पहचान युग यादव के रूप में हुई है, जो पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहा था। बताया जा रहा है कि युग हाल ही में अपनी नानी के घर मनेन्द्रगढ़ गया था, जहां उसे बुखार और सर्दी की शिकायत हुई। परिजनों के अनुसार, वहां के स्थानीय लोगों ने उसे एक अयोग्य (झोलाछाप) डॉक्टर को दिखाया, जिसने बच्चे को इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन लगने के बाद युग की तबीयत और ज्यादा बिगड़ने लगी। जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई तो परिजन उसे मनेन्द्रगढ़ से सरगांव और फिर सोमवार सुबह बिलासपुर के सिम्स अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत के बाद परिवार में मातम छा गया है। चिकित्सकों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जिससे मौत के कारणों की पुष्टि हो सके। वहीं परिजनों ने झोलाछाप डॉक्टर पर लापरवाही और गैर-पेशेवर इलाज का आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की है।

हिन्दू पौराणिक शास्त्रों के अनुसार हम मंत्र जप के लिए जिस माला का उपयोग करते है, उसमें दानों की संख्या 108 होती है। शास्त्रों में 108 संख्या का अत्यधिक महत्व है। इसके पीछे कई धार्मिक, ज्योतषिक और वैज्ञानिक मान्यताएं हैं, कि माला में 108 ही दाने क्यों होते हैं। आइए हम यहां जानते है ऐसी ही कुछ मान्यताओ के बारे में और जानेंगे आखिर माला का प्रयोग क्यों करना चाहिए मन्त्र जाप के लिए।

क्यों होते है माला में 108 दाने, रुद्राक्ष से बनी माला मंत्र जप के लिए सर्वश्रेष्ठ क्यों

हिन्दू ग्रंथों के अनुसार रुद्राक्ष से बनी माला मंत्र जप के लिए सर्वश्रेष्ठ होती है। रुद्राक्ष को महादेव का प्रतीक माना गया है। रुद्राक्ष में सूक्ष्म कीटाणुओं का नाश करने की शक्ति भी होती है और रुद्राक्ष वातावरण में मौजूद सकारात्मक ऊर्जा को ग्रहण करके साधक के शरीर में पहुंचा देता है। रुद्राक्ष से अलग यह माला तुलसी, स्फटिक, मोती या नगों से भी बनी होती है। प्राचीन काल से ही बडे-बडे तपस्वी, साधु-संत इस उपाय को अपनाते रहे हैं।

भगवान की पूजा के लिए कुश का आसन बहुत जरूरी है, इसके बाद दान-पुण्य जरूरी है। जब भी मंत्र जप करें, माला का उपयोग अवश्य करना चाहिए। माला के बिना संख्याहीन किए गए मंत्र जप का भी पूर्ण फल प्राप्त नहीं हो पाता है। जो भी व्यक्ति माला की मदद से मंत्र जप करता है, उसकी मनोकामनएं बहुत जल्द पूर्ण होती हैं। मंत्र जप निर्धारित संख्या 108 के अनुसार किए जाए तो सर्व श्रेष्ठ रहता है। शास्त्रों के अनुसार एक पूर्ण रूप से स्वस्थ व्यक्ति दिनभर में जितनी बार सांस लेता है, व्यक्ति के सांस से ही माला के दानों की संख्या 108 का संबंध है। सामान्यत: 24 घंटे में एक व्यक्ति करीब 21600 बार सांस लेता है।

दिन के 24 घंटों में से 12 घंटे दैनिक कार्यों में व्यतीत हो जाते हैं और शेष 12 घंटों में व्यक्ति सांस लेता है 10800 बार। शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति को हर सांस पर यानी पूजन के लिए निर्धारित समय 12 घंटे में 10800 बार ईश्वर का ध्यान करना चाहिए, लेकिन यह संभव नहीं हो पाता है। इसीलिए 10800 बार सांस लेने की संख्या से अंतिम दो शून्य हटाकर जप के लिए 108 संख्या निर्धारित की गई है। इसी संख्या के आधार पर जप की माला में 108 दाने होते हैं।

वैज्ञानिक महत्व:

वैज्ञानिकों के अनुसार माला के 108 दाने और सूर्य की कलाओं का गहरा संबंध है। एक वर्ष में सूर्य 216000 कलाएं बदलता है और वर्ष में दो बार अपनी स्थिति भी बदलता है। छह माह उत्तरायण रहता है और छह माह दक्षिणायन। अत: सूर्य छह माह की एक स्थिति में 108000 बार कलाएं बदलता है। इसी संख्या 108000 से अंतिम तीन शून्य हटाकर माला के 108 मोती निर्धारित किए गए हैं। माला का एक-एक दाना सूर्य की एक-एक कला का प्रतीक है। सूर्य ही व्यक्ति को तेजस्वी बनाता है, सूर्य ही एकमात्र साक्षात दिखने वाले देवता हैं, इसी वजह से सूर्य की कलाओं के आधार पर दानों की संख्या 108 निर्धारित की गई है। माला के दानों की संख्या 108 संपूर्ण ब्रहमांड का प्रतिनिधित्व करती है। ज्योतिष के अनुसार सम्पूर्ण ब्रहमांड को 12 भागों (राशियों) में विभाजित किया गया है। इन 12 भागों (राशियों) के नाम मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर,कुंभ और मीन हैं। इन 12 राशियों में नौ ग्रह सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु विचरण करते हैं। अत: विचरण ग्रहों की संख्या 9 का गुणा 12 राशियों की संख्या में किया जाए तो संख्या 108 प्राप्त हो जाती है। ज्योतिष के अनुसार इसी संख्या के आधार पर जप की माला में 108 दाने होते हैं।

ऋषियों के अनुसार

एक अन्य मान्यता के अनुसार ऋषियों ने में माला में 108 दाने रखने के पीछे ज्योतिषी कारण बताया है। शास्त्रों के अनुसार कुल 27 नक्षत्र बताए गए हैं। हर नक्षत्र के 4 चरण होते हैं और 27 नक्षत्रों के कुल चरण 108 ही होते हैं। माला का एक-एक दाना नक्षत्र के एक-एक चरण का प्रतिनिधित्व करता है। मंत्र जप की माला में सबसे ऊपर एक बडा दाना होता है जो कि सुमेरू कहलाता है। सुमेरू से ही जप की संख्या प्रारंभ होती है और यहीं पर खत्म भी। जप का एक चक्र पूर्ण होकर सुमेरू दाने तक पहुंच जाता है तब माला को पलटा लिया जाता है। सुमेरू को कभी भी लांघना नहीं चाहिए। जब भी मंत्र जप पूर्ण करें तो सुमेरू को माथे पर लगाकर नमन करना चाहिए। इससे जप का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

इस तरह के उपाय से घर में लक्ष्मी का आगमन होता है

शैनागम एवं अन्य दर्शन साहित्य में भी इन्हीं पंच तत्वों की प्रमुखता है। चीनी फेंगशुई में केवल दो तत्वों की प्रधानता है- वायु एवं जल की। वस्तुतः ये पंचतत्व सनातन हैं। ये मनुष्य ही नहीं बल्कि संपूर्ण चराचर जगत पर प्रभाव डालते हैं।

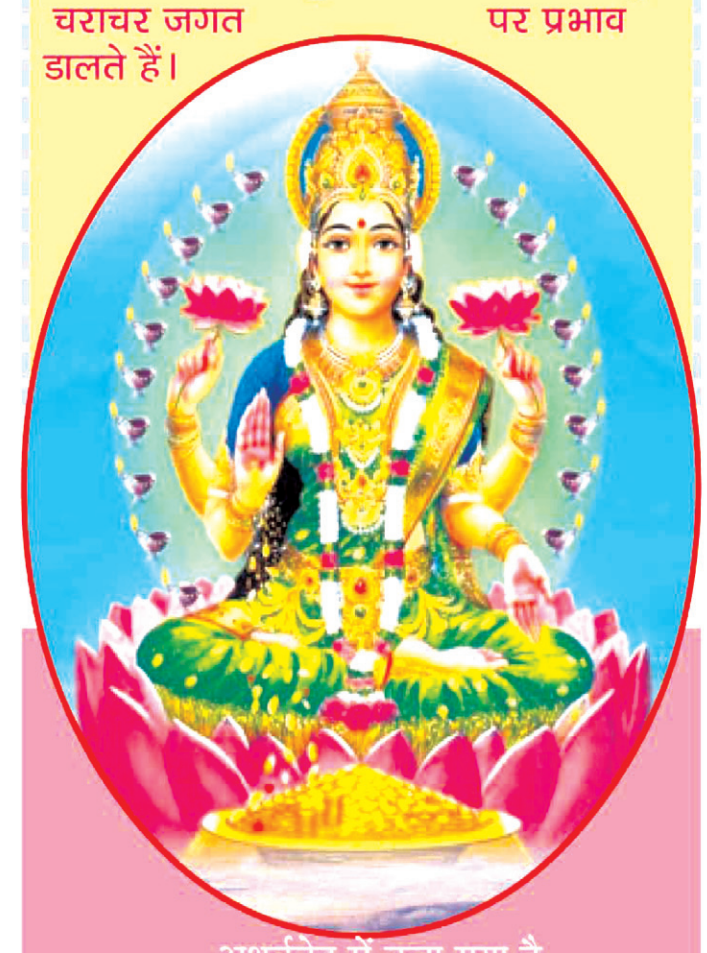

लक्ष्मी आगमन के विशेष वास्तु उपचार । वास्तु शास्त्र का आधार प्रकृति है। आकाश, अग्नि, जल, वायु एवं पृथ्वी इन पांच तत्वों को वास्तु-शास्त्र में पंचमहाभूत कहा गया है। शैनागम एवं अन्य दर्शन साहित्य में भी इन्हीं पंच तत्वों की प्रमुखता है। चीनी फेंगशुई में केवल दो तत्वों की प्रधानता है- वायु एवं जल की। वस्तुत: ये पंचतत्व सनातन हैं। ये मनुष्य ही नहीं बल्कि संपूर्ण चराचर जगत पर प्रभाव डालते हैं। वास्तु शास्त्र पकृति के साथ सामंजस्य एवं समरसता रखकर भवन निर्माण के सिद्धांतों का प्रतिपादन करता है। ये सिद्धांत मनुष्य जीवन से गहरे जुडे हैं। सृष्टिकर्ता परमेश्वर पृथ्वी, जल, तेज (अग्नि), प्रकाश, वायु व आकाश को रचकर, उन्हें संतुलित रखकर संसार को नियमपूर्वक चलाते हैं। मननशील विद्वान लोग उन्हें अपने भीतर जानकर संतुलित हो प्रबल प्रशस्त रहते हैं। इन्हीं पांच संतुलित तत्वों से निवास गृह व कार्य गृह आदि का वातावरण तथा वास्तु शुद्ध व संतुलित होता है, तब प्राणी की प्रगति होती है।

गृह निर्माण इस प्रकार का हो कि सूर्य का प्रकाश सब दिशाओं से आए तथा सब प्रकार से ऋतु अनुकूल हो, ताकि परिवार स्वस्थ रहे। राह चलता राहगीर भी अंदर न झांक पाए, न ही गृह में वास करने वाले बाहर वालों को देख पाएं। ऐसे उत्तम गृह में गृहिणी की निज संतान उत्तम ही उत्तम होती है। वास्तु शास्त्र तथा वास्तु कला का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक आधार वेद और उपवेद हैं।

गृह के मुख्य द्वार को गृहमुख माना जाता है। इसका वास्तु शास्त्र में विशेष महत्व है। यह परिवार व गृहस्वामी की शालीनता, समृद्धि व विद्वत्ता दर्शाता है। इसलिए मुख्य द्वार को हमेशा बाकी द्वारों की अपेक्षा बडा व सुसज्जित रखने की प्रथा रही है। पौराणिक भारतीय संस्कृति के अनुसार इसे कलश, नारियल व पुष्प, केले के पत्र या स्वास्तिक आदि से अथवा उनके चित्रों से सुसज्जित करना चाहिए।

अथर्ववेद में कहा गया है-

पन्चवाहि वहत्यग्रमेशां प्रष्टयो युक्ता अनु सवहन्त।
अयातमस्य दस्ये नयातं पर नेदियोवर दवीय ॥ 10 /8 ॥

मुख्य द्वार चार भुजाओं की चौखट वाला हो। इसे दहलीज भी कहते हैं। इससे निवास में गंदगी भी कम आती है तथा नकारात्मक ऊर्जाएं प्रवेश नहीं कर पातीं। प्रात: घर का जो भी व्यक्ति मुख्य द्वार खोले, उसे सर्वप्रथम दहलीज पर जल छिडकना चाहिए , ताकि रात में वहां एकत्रित दूषित ऊर्जाएं घुलकर बह जाएं और गृह में प्रवेश न कर पाएं।

गृहिणी को चाहिए कि वह प्रात:

सर्वप्रथम घर की साफ-सफाई करे या कराए। तत्पश्चात स्वयं नहा-धोकर मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर एकदम सामने स्थल पर सामर्थ्य के अनुसार रंगोली बनाए। यह भी नकारात्मक ऊर्जाओं को रोकती है। मुख्य प्रवेश द्वार के ऊपर केसरिया रंग से 9ग9 परिमाण का स्वास्तिक बनाकर लगाएं। मुख्य प्रवेश द्वार को हरे व पीले रंग से रंगना वास्तुसम्मत होता है। खाना बनाना शुरू करने से पहले पाकशाला का साफहोना अति आवश्यक है। रोसोईये को चाहिए कि मंत्र पाठ से ईश्वर को याद करे और कहे कि मेरे हाथ से बना खाना स्वादिष्ट तथा सभी के लिए स्वास्थ्यवर्द्धक हो। पहली चपाती गाय के, दूसरी पक्षियों के तथा तीसरी कुत्ते के निमित्त बनाए। तदुपरांत परिवार का भोजन आदि बनाए।

निवास गृह या कार्यालय में शुद्ध ऊर्जा के संचार हेतुप्रात:

व सायं शंख-ध्वनि करें। गुग्गुल युक्त धूप व अगरवत्ती प्रज्वलित करें तथा क्क का उच्चारण करते हुए समस्त गृह में धूम्र को घुमाएं। प्रात: काल सूर्य को अर्य देकर सूर्य नमस्कार अवश्य करें। यदि परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनकूल रहेगा, तो गृह का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। ध्यान रखें, आईने व झरोखों के शीशों पर धूल नहीं रहे। उन्हें प्रतिदिन साफरखें। गृह की उत्तर दिशा में विभूषक फव्वारा या मछली कुंड रखें। इससे परिवार में समृद्धि की वृद्धि होती है।

मोहिनी के पुत्र हैं भगवान अय्यप्पा

श्रीहरि ने मोहिनी अवतार लिया था। उन्होंने यह अवतार तब लिया, जब समुद्र मंथन से अमृत निकला था। और देवताओं और दानवों में यह वितरित करना था। हालांकि मोहिनी अवतार में श्रीहरि ने छल से देवताओं को अमृत और दानवों को अन्य द्रव्य पिलाया था। पौराणिक मतानुसार दरअसल विष्णु जी के मोहनी रूप को ही अय्यप्पा की मां माना जाता है।

श्रीहरि का मोहिनी रूप काफी आकर्षक था। उन्होंने यह रूप लोककल्याण के लिए लिया था। इस रूप में श्रीहरि एक बहुत सुंदर युवा स्त्री के रूप में प्रकट हुए थे। अग्नि पुराण 3.12 में वर्णित है कि अमृत वितरण के लिए श्रीहरि यानी विष्णु जी द्वारा मोहिनी रूप धारण किया गया। और इसी समय भगवान शिव मोहिनी रूप पर आसक्त होकर स्लखित हो गए थे। किंवदंती है कि जहां शिव स्खलित हुए वह स्थान गंगोत्री था। दरअसल यह तत्व ही अमुल्य पारद तत्व है। गंगाजल के कण-कण में पारद है। हिंदू शास्त्रानुसार यह पारद ही है जो संपूर्ण जगत के सृर्जन का मूलाधार है क्योंकि यह संसार आदि शक्ति के रज अर्थात गंधक और शिव की वीर्य अर्थात पारद से बना है।

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोहिनी एकादशी कहते हैं। धर्मशास्त्रों के अनुसार यह तिथि सब पापों को हरने वाली और उत्तम है । इस दिन जो व्रत रहता है उसके व्रत के प्रभाव से मनुष्य मोहजाल तथा पापों से छुटकारा पा जाते हैं।

इसकी विधि -

जो व्यक्ति मोहिनी एकादशी का व्रत करे, उसे एकदिन पूर्व अर्थात दशमी तिथि की रात्रि से ही व्रत के नियमों का पालन करना चाहिए। व्रत के दिन एकादशी तिथि में व्रती को सुबह सूर्योदय से पहले उठना चाहिए और नित्य कर्म कर शुद्ध जल से स्नान करना चाहिए। स्नान के लिये किसी पवित्र नदी या सरोवर का जल मिलना श्रेष्ठ होता है। अगर यह संभव न हों तो घर में ही जल से स्नान करना चाहिए। स्नान करने के लिये कुश और तिल के लेप का प्रयोग करना चाहिए। स्नान करने के बाद साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। इस दिन भगवान श्रीविष्णु के साथ-साथ भगवान श्रीराम की पूजा भी की जाती है। व्रत का संकल्प लेने के बाद ही इस व्रत को शुरु किया जाता है। संकल्प लेने के लिये इन दोनों देवों के समक्ष संकल्प लिया जाता है। देवों का पूजन करने के लिये कलश स्थापना कर, उसके ऊपर लाल रंग का वस्त्र बांध कर पहले कलश का पूजन किया जाता है।

इसके बाद इसके ऊपर भगवान कि तस्वीर या प्रतिमा रखें तत्पश्चात भगवान की प्रतिमा को स्नानादि से शुद्ध कर उत्तम वस्त्र पहनाना चाहिए। फिर धूप, दीप से आरती उतारनी चाहिए और मीठे फलों का भोग लगाना चाहिए। इसके बाद प्रसाद वितरीत कर ब्राहमणों को भोजन तथा दान दक्षिणा देनी चाहिए। रात्रि में भगवान का कीर्तन करते हुए मूर्ति के समीप ही शयन करना चाहिए। इस एकादशी का व्रत रखने वाले को अपना मन साफरखना चाहिए। प्रात: काल सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान करें। इसके बाद शुद्ध वस्त्र पहनकर भगवान विष्णु की मूर्ति अथवा तस्वीर के सामने घी का दीपक जलाएं और तुलसी, फल, तिल सहित भगवान की पूजा करें। व्रत रखने वाले को स्वयं तुलसी पत्ता नहीं तोडना चाहिए। किसी के प्रति मन में द्वेष की भावना न लाएं और न ही किसी की निंदा करें। व्रत रखने वाले को पूरे दिन निराहार रहना चाहिए। शाम में पूजा के बाद चाहें तो फलाहार कर सकते हैं। एकादशी के दिन रात्रि जागरण का बडा महत्व है। संभव हो तो रात में जागकर भगवान का भजन कीर्तन करें। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि को ब्राहमण को भोजन करवाने के बाद स्वयं भोजन करें।

इस व्रत के पुण्य से कई जन्मों के पाप भी नष्ट हो जाते हैं

मोहिनी एकादशी व्रत की कथा

भद्रावती नाम की सुंदर नगरी थी। वहां के राजा धृतिमान थे। इनके नगर में धनपाल नाम का एक वैश्य रहता था, जो धन-धान्य से परिपूर्ण था। वह सदा पुण्य कर्म में ही लगा रहता था। उसके पांच पुत्र थे। इनमें सबसे छोटा धृष्टबुद्धि था। वह पाप कर्मों में अपने पिता का धन लुटाता रहता था। एक दिन वह नगर वधू के गले में बांह डाले चौराहे पर घूमता देखा गया। इससे नाराज होकर पिता ने उसे घर से निकाल दिया तथा बंधु-बांधवों ने भी उसका परित्याग कर दिया। अब वह दिन-रात दु:ख और शोक में डूब कर इधर-उधर भटकने लगा। एक दिन किसी पुण्य के प्रभाव से महर्षि कौण्डिल्य के आश्रम पर जा पहुंचा। वैशाख का महीना था। कौण्डिल्य गंगा में स्नान करके आए थे। धृष्टबुद्धि शोक के भार से पीडित हो मुनिवर कौण्डिल्य के पास गया और हाथ जोडकर बोला, ''ब्राहमण ! द्विजश्रेष्ठ ! मुझ पर दया करके कोई ऐसा व्रत बताएं जिसके पुण्य के प्रभाव से मेरी मुक्ति हो।'

कौण्डिल्य बोले:

वैशाख मास के शुक्लपक्ष में 'मोहिनी' नाम से प्रसिद्ध एकादशी का व्रत करो। इस व्रत के पुण्य से कई जन्मों के पाप भी नष्ट हो जाते हैं। धृष्टबुद्धि ने ऋषि की बताई विधि के अनुसार व्रत किया। जिससे वह निष्पाप हो गया और दिव्य देह धारण कर श्री विष्णुधाम को चला गया।

हर समस्या का समाधान है महावीर दर्शन

मानवीय गुणों की उपेक्षा के इस समय में महावीर के कल्याण का दिन हमसे अपने जातीय भेद भुलाकर सत्य से साक्षात का संदेश देता है। भगवान महावीर ने अहिंसा की जितनी सूक्ष्म व्याख्या की है वैसी अन्यत्र दुर्लभ है।

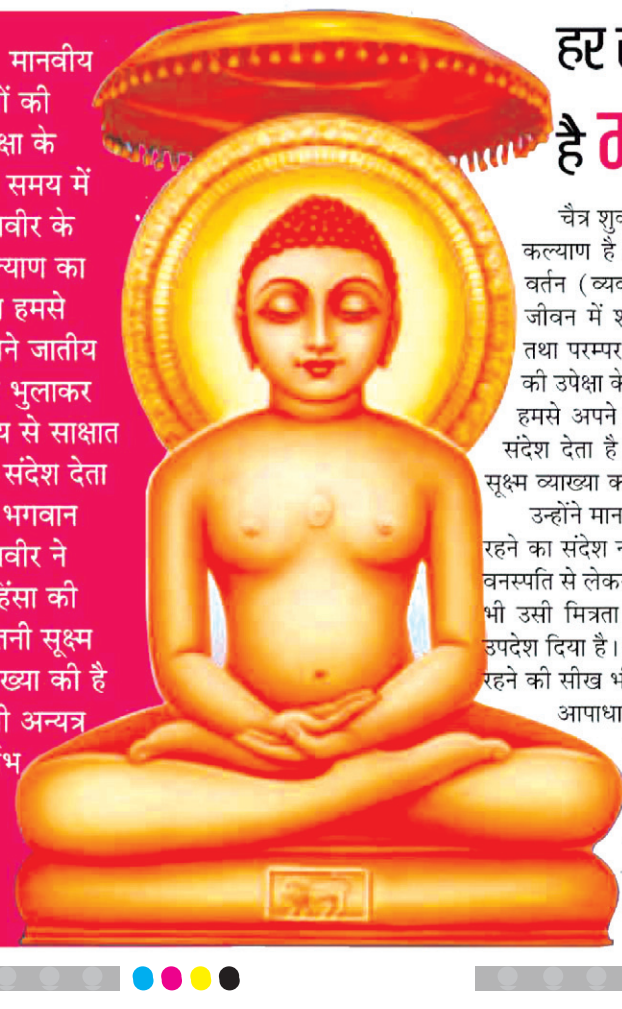

चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को भगवान महावीर का जन्म कल्याण है। उनके सिद्धांत बताते हैं कि वर्तमान के वर्तन (व्यवहार) को किस प्रकार से रखा जाए कि जीवन में शांति, मरण में समाधि, परलोक में सद्गति तथा परम्पर से परमगति पाई जा सके। मानवीय गुणों की उपेक्षा के इस समय में महावीर के कल्याण का दिन हमसे अपने जातीय भेद भुलाकर सत्य से साक्षात का संदेश देता है। भगवान महावीर ने अहिंसा की जितनी सूक्ष्म व्याख्या की है वैसी अन्यत्र दुर्लभ है।

उन्होंने मानव को मानव के प्रति ही प्रेम और मित्रता से रहने का संदेश नहीं दिया अपितु मिट्टी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति से लेकर कीकीडे-मकोडे, पशु-पक्षी आदि के प्रति भी उसी मित्रता और अहिंसक विचार के साथ रहने का उपदेश दिया है। उनकी इस शिक्षा में पर्यावरण के साथ बने रहने की सीख भी है। आज जिस हिंसात्मक वातावरण और आपाधापी के बीच बच्चे बढ हो रहे हैं उसके कारण उनमें संयम का अभाव है। यह पीढी लक्ष्य से भटक रही है। ऐसे वातावरण में बडे हो रहे बच्चों से अपेक्षा रखना कि वे नैतिक राह पर चलेंगे ठीक नहीं। आज हमें समग्रता में महावीर की शिक्षाओं की बहुत जरूरत है ताकि हम इस धरा को सुंदर बना सकें।

स्वामी आत्मानंद की जयंती पर शिक्षाविदों एवं समाज प्रमुखों का सम्मान

भूपेश बघेल बोले -स्वामी आत्मानंद जी ने गरीबों के उत्थान के लिए चलाई अनेक योजनाएं

पाटन। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज पाटन राज के तत्वावधान में 6 अक्टूबर को ब्रह्मलीन स्वामी आत्मानंद जी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शिक्षाविदों एवं समाज के प्रमुख जनों का सम्मान किया गया तथा विद्यार्थियों के लिए कैरियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वामी आत्मानंद चौक में स्वामी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद मुख्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता समाज के राजप्रधान युगल आडिल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री एवं पाटन विधायक भूपेश बघेल थे। विशेष अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष सीताराम वर्मा और अजय वर्मा, अधिष्ठाता-कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र मर्रा उपस्थित रहे।

गरीबों के उत्थान के लिए जीवन समर्पित किया - **भूपेश बघेल**-अपने उद्बोधन में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि स्वामी आत्मानंद जी ने सदैव गरीबों और वंचितों के उत्थान के लिए कार्य किया। उन्होंने बताया कि सन 1972 के अकाल के दौरान स्वामी जी ने ग्रामीणों को रोजगार दिलाने हेतु तालाब और कुआं खुदाई जैसे कार्यों की शुरुआत की, जिससे मजदूर वर्ग को जीवनयापन का साधन मिला। उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने 29 जिलों के साथ बस्तर के अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में भी शिक्षा के प्रसार के लिए नारायणपुर में आश्रम खोले, जिससे वहां के आदिवासी बच्चों को शिक्षा के अवसर मिले। बघेल ने कहा, स्वामी आत्मानंद जी बहुभाषी, धार्मिक और सामाजिक चेतना से ओतप्रोत व्यक्तित्व थे। उनका जीवन गरीबों और समाज के उत्थान को समर्पित था।

स्वामी जी के विचार आज भी प्रासंगिक -**युगल आडिल**-कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे युगल आडिल ने कहा कि स्वामी आत्मानंद जी ने शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया। उन्होंने गरीब मजदूर परिवारों के बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा, हमें स्वामी जी के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए। अधिष्ठाता अजय वर्मा ने अपने संबोधन में स्वामी जी के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए विवेकानंद आश्रम की स्थापना से जुड़ी जानकारी साझा की।

कार्यक्रम में समाज के सैकड़ों लोग हुए शामिल-इस अवसर पर डॉ. अजीत वरवंडकर द्वारा विद्यार्थियों के लिए कैरियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। जिसमें युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विशेष रूप से हेमंत देवांगन, अमरचंद वर्मा (पूर्व राजप्रधान), जवाहर वर्मा (पूर्व राजप्रधान), पाटन राज महामंत्री केदार कश्यप, भेद प्रकाश वर्मा, देवेंद्र चंद्रवंशी (जिला पंचायत सदस्य), महेंद्र वर्मा, वीरेंद्र वर्मा, महिला अध्यक्ष रंजना वर्मा, कामिनी धुरंधर, रश्मि वर्मा, उर्वशी वर्मा, सुषमा वर्मा, पुष्पा वर्मा, पूनम चंद्रवंशी, शंकर वर्मा (क्षेत्र प्रधान), ईश्वर वर्मा, राकेश आडिल (युवा अध्यक्ष), केशव रानी बंछोर, किरण बंछोर, गंगोत्री, पिंकी कश्यप, उनिका वर्मा (सरपंच), संतोषी वर्मा, विपिन बंछोर, धीरेंद्र वर्मा, योगानंद वर्मा, कोमल टोकेंद्र, मुकेश सोमन सहित बड़ी संख्या में मनवा कुर्मी समाज के लोग उपस्थित रहे।

सांकरा में टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन : सरपंच रवि सिंगौर ने की व्यवस्थाओं का निरीक्षण, मितानिनों को दी सामग्री

अम्लेश्वर। पाटन ब्लॉक के ग्राम पंचायत सांकरा स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के युवा सरपंच रवि सिंगौर विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। टीकाकरण व्यवस्था का लिया जायजा-निरीक्षण के दौरान सरपंच रवि सिंगौर ने स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों और मितानिनों से चर्चा की। उन्होंने टीकाकरण की प्रक्रिया और ग्रामीणों की भागीदारी के बारे में जानकारी ली। सरपंच ने कहा कि गांव में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना पंचायत की प्राथमिकता है।

मितानिन समूह को मिली सामग्री-ग्राम पंचायत की ओर से सरपंच रवि सिंगौर ने मितानिन समूह को आवश्यक सामग्री प्रदान की। इसमें इंडक्शन, 10 कुर्सियां, कार्पेट और पानी जार शामिल थे। उन्होंने कहा कि मितानिन गांव की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके कार्यों को पंचायत हमेशा सहयोग देती रहेगी।

गांव में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने का संकल्प-सरपंच सिंगौर ने बताया कि ग्राम पंचायत गांव में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ, प्रभावी और आधुनिक बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने डॉक्टरों और मितानिनों से सुझाव भी मांगे ताकि भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य योजनाएं लागू की जा सकें। सरपंच बोले – स्वस्थ गांव ही विकास की नींव है।

निगम क्षेत्र के आंगनबाड़ी केन्द्रों में होगा पेंशन का वार्षिक सत्यापन आंगनबाड़ी कार्यकताओं को दिया गया प्रशिक्षण

भिलाई। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित केन्द्र पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का सत्यापन मोबाईल एप (लाभार्थी सत्यापन एप) के माध्यम से कराया जाना है। इसके लिए निगम मुख्य कार्यालय सभागार में 155 आंगनबाड़ी कार्यकताओं को योजना के नोडल अधिकारी नरेन्द्र कुमार बंजारे एवं प्रोग्रामर दिसी साहू के निर्देश पर कम्प्युटर आपरेटर अंजू साहू द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है। जो अपने आंगनबाड़ी केन्द्रों में आने वाले इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्वावस्था पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के हितग्राहियों का सत्यापन मोबाईल एप से करेंगी। इस योजना के पेंशन हितग्राही अपने नजदीकी आंगनबाड़ी केन्द्रों में जाकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से संपर्क कर सत्यापन करा सकते है।

नगर पालिक निगम भिलाई पेंशन हितग्राहियों से अपील करती है कि जल्द से जल्द अपने वार्ड के आंगनबाड़ी केन्द्रों में जाकर सत्यापन का कार्य करवा लेवें। जिससे मिलने वाले पेंशन योजना का लाभ मिल सकें। प्रशिक्षण के दौरान सामाजिक पेंशन विभाग के लिपिक त्रिलोक ताम्रकार एवं मनहरण लाल टण्डन उपस्थित रहे।

मीना रानी घनश्याम चेलक ने न्योता भोज देकर, बच्चों के साथ सादगी पूर्ण ढंग से मनाया अपना जन्मदिन

अम्लेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर मिनीमाता वार्ड क्रमांक 14 की पार्षद मीना रानी घनश्याम चेलक ने अपने जन्मदिन के अवसर पर एक अनोखे तरीके से जश्न मनाया।

उन्होंने प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला में न्योता भोज का आयोजन किया, जिसमें नन्हे-नन्हे बच्चों को अतिरिक्त पोषण आहार मिला। मीना रानी चेलक ने स्कूल में बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया और उन्हें पोषण आहार प्रदान किया। पर्यावरण की दिशा में वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें चेलक ने हिस्सा लिया। मीना रानी घनश्याम चेलक की यह पहल न केवल उनके जन्मदिन को विशेष बनाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि वे अपने क्षेत्र के बच्चों और पर्यावरण के प्रति कितनी संवेदनशील हैं। इस तरह के आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और लोगों को प्रेरणा मिलती है।

नगर निगम भिलाई में 8 अक्टूबर को प्रधानमंत्री आवास आबंटन की लाटरी

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना से निर्मित मकानों का आबंटन लाटरी पद्वति से निगम सभागार में दिनांक 08.10.2025 को समय 12 बजे किया जाएगा। हितग्राहियों को ''मोर मकान-मोर आस'' एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी घटक से निर्मित मकानों का आबंटन किया जाना है। लाटरी पद्वति में सामान्य वर्ग को अन्य तल (प्रथम, द्वतीय एवं तृतीय तल) तथा वरिष्ठ नागरिको एवं दिव्यांगजनों को भूतल के मकानों का आबंटन किया जाएगा। हितग्राही आवास विभाग द्वारा दिए गए जमा राशि का पावती एवं आवश्यक दस्तावेज लेकर लाटरी में भाग लेवें।

निगम ने बकाया संपत्तिकर जमा नहीं करने पर दुकान को किया सील

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन 04 अंतर्गत पुरानी बस्ती छावनी निवासी रामाधार सिंह द्वारा अपना दुकान विवेक ट्रेडर्स को किराये पर दिया है, जहां कबाड़ का सामान रखकर दुकान संचालित किया जा रहा था। पूर्व में मकान मालिक द्वारा 3 वर्ष का बकाया संपत्तिकर 69781 रूपये का चेक दिया गया था, बैंक खाते में राशि की अनुपलब्धता के कारण चेक बाउंस हो गया। मकान मालिक को सूचना देकर बताया गया कि चेक बाउंस हो गया है, उसके बाद भी राशि जमा नहीं किया गया।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 175 के अधीन कुर्की दल मौके पर पहुंचकर कार्यवाही के संबंध में मकान मालिक को बकाया संपत्तिकर जमा करने समझाइस दी गई और कुर्की कार्यवाही के संबंध में पढ़कर सुनाया गया। इसके पूर्व भी बकाया संपत्तिकर जमा करने के संबंध में नोटिस दिया गया था। बकाया राशि जमा नहीं करने पर 2 दुकानों में से 1 दुकान को सील बंद की कार्यवाही कर निगम के अधीन लिया गया। साथ ही अन्य दुकानों को मिलाकर लगभग 1.80 लाख रूपये की बकाया संपत्तिकर वसूल किया गया है। कुर्की के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, बसंत देवांगन, विजेन्द्र परिहार, वत्सल, विनोद वर्मा, गंगा चौहन सहित एसपीएस एजेंसी के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं, जनदर्शन में मिले 56 आवेदन

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके ने जनदर्शन में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आये लोगों की मांग, समस्याएं एवं शिकायतें सुनी। कलेक्टर ने जनदर्शन में 56 लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम मुरमुरा के ईच्छा राम ने मजदूरी राषि दिलाने, ग्राम नहरगांव की देलीबाई सिन्हा ने प्रधानमंत्री आवास दिलाने, ग्राम गोहेकेला के रामनाथ माली ने भूमि का नक्षा प्रदान करने, ग्राम मलियार की लक्ष्मनिय बाई ने आवास प्रदान करने, ग्राम रजनकटा के पुरूषोत्तम साहू ने सम्मान निधि की राषि दिलवाने, ग्राम देवगांव की लीली बाई ने प्रधानमंत्री आवास योजान का लाभ दिलाने, ग्राम पाण्डुका की उषा बाई ने सहायता की राषि प्रदान करने, ग्राम धौराकोट के संतोष नागेष ने योजना का लाभ दिलाने, पिलेष कुमार डोगरे ने मानदेय राषि प्रदान करने, ग्राम तालेसर के ईष्वर ने बी-1 में त्रुटी सुधार करने आवेदन प्रस्तुत किये है। इस पर कलेक्टर उइके ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चन्द्राकर, अपर कलेक्टर नवीन भगत, पंकज डाहिरे सहित जिला प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान 2025 के तहत शिक्षा की गुणवत्ता सुधार हेतु जिले में प्रारंभ हुआ सामाजिक अंकेक्षण अभियान

गरियाबंद। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान 2025 के अंतर्गत जिले के सभी शासकीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार हेतु सामाजिक अंकेक्षण कायक्रम प्रारंभ किया गया है। यह कार्यक्रम 7 एवं 8 अक्टूबर को जिले के समस्त विकासखंडों गरियाबंद, छुरा, मैनपुर, देवभोग एवं फिंगेश्वर के प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में संचालित किया जा रहा है। इस सामाजिक अंकेक्षण अभियान का संचालन जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर के निर्देशन तथा जिला मिशन समन्वयक शिवेश कुमार शुक्ला के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य विद्यालयों में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। अंकेक्षण के प्रमुख बिंदु अंकेक्षण के दौरान प्रत्येक विद्यालय का मूल्यांकन विभिन्न संकेतकों के आधार पर किया जाएगा। इनमें विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियां एवं सीखने का स्तरशिक्षण प्रक्रिया और कक्षा कक्ष की गुणवत्ता आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता शिक्षक की उपस्थिति एवं उत्तरदायित्व समुदाय और अभिभावकों की सहभागिता इन बिंदुओं पर प्राप्त आंकड़ों के आधार पर विद्यालयों को कमजोर, औसत तथा अच्छे श्रेणी में ग्रेडिंग दी जाएगी। जो विद्यालय अपेक्षित गुणवत्ता से नीचे पाए जाएंगे, उनके सुधार के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर अमल किया जाएगा। विभागीय एवं सामुदायिक सहभागिता इस अभियान में केवल शिक्षा विभाग ही नहीं, बल्कि अन्य विभागों के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, एवं समुदाय के सदस्य भी सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। इससे अंकेक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी एवं समाज की भागीदारी सुनिश्चित होगी। सामाजिक अंकेक्षण की रूपरेखा एससीईआरटी, डीपीआई और समग्र शिक्षा द्वारा निर्धारित बिंदुओं के अनुसार तैयार की गई है। इसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा विशेष टूल्स और प्रपत्र विकसित किए गए हैं, जिनके माध्यम से विद्यालय का आकलन किया जा रहा है। प्रशिक्षण एवं तैयारी पूर्ण अंकेक्षण कार्य की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने हेतु जिले के सभी संकुल प्राचार्यों, संकुल समन्वयकों, संस्था प्रमुखों एवं शिक्षकों को पूर्व में प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। जिला मिशन समन्वयक द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं, ताकि दो दिवसीय यह अभियान सुचारू रूप से संचालित हो सके। अंकेक्षण पूर्ण होने के पश्चात् समस्त आंकड़ों का संकलन एवं विश्लेषण किया जाएगा। विद्यालयवार रिपोर्ट तैयार कर जिला स्तर पर समीक्षा की जाएगी।

नगर निगम में शोक सभा का आयोजन, जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे उपस्थित

निगम परिसर में पूर्व पार्षद कुलेश्वरी चंद्राकर को दी गई श्रद्धांजलि

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग परिसर में आज सुबह भावभीनी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह सभा औद्योगिक नगर वार्ड क्रमांक 17 की पूर्व पार्षद स्वर्गीय कुलेश्वरी चंद्राकर के स्मरण में रखी गई। वे वर्तमान वार्ड क्रमांक 18 के पार्षद एवं लोककर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर की धर्मपत्नी थीं।आज सुबह ब्रह्ममुहूर्त में 57 वर्ष की आयु में उनका आकस्मिक निधन हो गया, जिससे पूरे नगर में शोक की लहर व्याप्त हो गई। सभा के दौरान नगर निगम महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा सहित पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं भाजपा संगठन के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके व्यक्तित्व एवं योगदान को स्मरण किया। स्वर्गीय कुलेश्वरी चंद्राकर वर्ष 2004 से 2009 तक नगर पालिक निगम दुर्ग में पार्षद रहीं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने वार्ड के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए। वे भाजपा संगठन में सक्रिय रहीं और संगठन द्वारा सौंपे गए प्रत्येक दायित्व को निष्ठा एवं लगन से निभाया। महापौर अलका बाघमार ने श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए कहा, कुलेश्वरी चंद्राकर जी अत्यंत विनम्र, मिलनसार और सौम्य स्वभाव की थीं। उनके कार्य और व्यवहार से समाज को प्रेरणा मिलती है। भगवान से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार को इस दुखद घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। श्रद्धांजलि सभा में निगम के एमआईसी सदस्य गण, पार्षदगण अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में सभी ने मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना की।

सांकरा में पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन

अम्लेश्वर। पाटन ब्लाक के ग्राम पंचायत संकरा में दो दिवसीय पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन 11 एवं 12 अक्टूबर को किया जा रहा है। इस महायज्ञ में ग्राम पंचायत के युवा सरपंच रवि सिंगौर का विशेष सहयोग है। ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपने जीवन को धन्य बनाने का अवसर प्राप्त करेंगे। आपको बता दें पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ यह एक धार्मिक आयोजन है, जिसमें गायत्री मंत्र का जाप किया जाता है। ग्राम पंचायत के युवा सरपंच रवि सिंगौर के नेतृत्व में यह आयोजन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। ग्राम के युवक-युवतियों सहित समस्त ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे और महायज्ञ का लाभ उठाएंगे। इस प्रकार के आयोजनों से ग्रामवासियों को धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ने का अवसर मिलता है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com